- 19th Year
- Issue: 233
- 29.12.2025 (MONDAY)
- ROURKELA
- R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
- (Pages-6)
- Price:2.00

दैनिक

कलिंग समाचार

The kalingasamachar

e-paper-www.thekalingasamachar.com

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH

मन की बातः ऑपरेशन सिंदूर से लेकर खेल और विज्ञान तक, पीएम मोदी ने गिनाई 2025 की उपलज़्धियां

नई दिल्ली २८/१२ (संवाददाता): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम में 2025 की कई तस्वीरें, कई चर्चाएं और कई उपलज़्धियों के बारे में बात की, जिन्होंने पूरे देश को एक साथ जोड़ दिया। राष्ट्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मन में पूरे एक साल की यादें घूम रही हैं। 2025 ने हमें ऐसे कई पल दिए, जिस पर हर भारतीय को गर्व हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश की सुरक्षा से लेकर खेल के मैदान तक, विज्ञान की प्रयोगशालाओं से लेकर दुनिया के बड़े मंचों तक भारत ने हर जगह अपनी मजबूत छाप छोड़ी।

'मन की बात' कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा, इस साल 'ऑपरेशन सिंदूर' हर भारतीय के लिए गर्व का प्रतीक बना। दुनिया ने साफ देखा कि आज का भारत अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करता। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान देश के कोने-कोने से मां भारती के प्रति प्रेम और समर्पण की तस्वीरें सामने आईं। लोगों ने अपने-अपने तरीके से अपने भाव व्यक्त किए। उन्होंने आगे कहा कि यही जज्बा तब भी देखने को मिला जब 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे हुए। मैंने आग्रह किया था कि 'हैशटैग वंदे मातरम 150' के साथ अपने संदेश और सुझाव भेजें। देशवासियों ने इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 2025 खेल के लिहाज से भी यादगार साल रहा। पुरुष क्रिकेट टीम ने आईसीसी चैंपियन्स ट्रॉफी जीती और महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार विश्व कप अपने नाम किया। भारत की बेटियों ने 'ज़्लाइंड टी-20 वर्ल्ड कप' जीतकर इतिहास रच दिया। एशिया कप में भी तिरंगा शान से लहराया। पैरा एथलीटों ने विश्व चैंपियनशिप में कई पदक जीतकर यह साबित किया कि कोई बाधा हौसलों को नहीं रोक सकती है।

उन्होंने याद किया कि विज्ञान और अंतरिक्ष के क्षेत्र में भी भारत ने बड़ी छलांग लगाई। पीएम मोदी ने कहा कि शुभांशु शुज़्ला पहले भारतीय बने, जो अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष सेंटर तक पहुंचे। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीवों की सुरक्षा से जुड़े कई प्रयास भी 2025 की पहचान बने। भारत में चीतों की संज़्या भी 30 से ज़्यादा हो चुकी है। आस्था, संस्कृति और भारत की विरासत की बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि साल की शुरुआत में प्रयागराज महाकुंभ ने पूरी दुनिया को चकित किया। साल के अंत में अयोध्या में राम मंदिर पर ध्वजारोहण के कार्यक्रम ने हर भारतीय को गर्व से भर दिया। स्वदेशी को लेकर भी लोगों का उत्साह खूब दिखाई दिया। लोग वही सामान खरीद रहे हैं, जिसमें किसी भारतीय का पसीना लगा हो और भारत की मिट्टी की सुगंध हो। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हम गर्व से कह सकते हैं कि 2025 ने भारत को और अधिक आत्मविश्वास दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि अब 2026 में नई उज़्मीदों और नए संकल्पों के साथ देश आगे बढ़ने के लिए तैयार है।

देहरादून में चीनी कहकर त्रिपुरा के छात्र को चाकुओं से गोदा, इलाज के दौरान मौत, पूर्वोज़र में उबाल

देहरादून २८/१२ (संवाददाता): उज़राखंड की राजधानी देहरादून में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। त्रिपुरा के 24 वर्षीय एमबीए छात्र एंजेल चकमा की नस्लीय हमले में घायल होने के दो हज़्ते बाद मौत हो गई। इस घटना ने उज़र-पूर्व भारत के राज्यों में भारी आक्रोश पैदा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने अब तक पांच आरोपियों को गिरज़्तार किया है। यह घटना 9 दिसंबर की शाम देहरादून के सेलाकुई इलाके के एक स्थानीय बाजार में हुई। एंजेल चकमा और उनका छोटा भाई माइकल चकमा बाजार गए थे, तभी बदमाशों के एक गुट ने उन पर नस्लीय टिप्पणियां शुरू कर दीं। हमलावरों ने उन्हें बार-बार चीनी कहकर चिढ़ाया। एंजेल के भाई माइकल के अनुसार, एंजेल ने हमलावरों को मजबूती से जवाब देते हुए कहा था, %हम चीनी नहीं, भारतीय हैं। हमें यह साबित करने के लिए कौन सा सर्टिफिकेट दिखाना होगा? इस बहस के बाद बदमाशों ने चाकू और अन्य धारदार हथियारों से दोनों भाइयों पर जानलेवा हमला कर दिया।

एंजेल चकमा को गंभीर हालत में ग्राफिक एरा अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां 17 दिनों तक जिंदगी की जंग लड़ने के बाद शुक्रवार (26 दिसंबर) को उन्होंने दम तोड़ दिया। उनकी मौत के बाद पुलिस ने मामले में हत्या की धाराएं जोड़ दी हैं। एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और चश्मदीदों के आधार पर अब तक पांच आरोपियों को पकड़ा है। गिरज़्तार आरोपियों अविनाश नेगी, सूरज खवास और सुमित को जेल भेज दिया गया है। दो आरोपी नाबालिग है, इसलिए उन्हें सुधार गृह भेजा गया है। पुलिस ने बताया, एक मुज़्य आरोपी, जो नेपाल का रहने वाला है, फिलहाल फरार है। पुलिस ने उसकी गिरज़्तारी पर 25,000 रुपये का इनाम घोषित किया है।

त्रिपुरा के मुज़्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने उज़राखंड के मुज़्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बात की है। साहा ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि उन्हें सज़्त कार्रवाई का आश्वासन मिला है। उन्होंने पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाते हुए कहा कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बज़्शा नहीं जाएगा और न्याय सुनिश्चित किया जाएगा।

बिहार में मालगाड़ी के आठ डज़्बे पटरी से उतरे, परिचालन प्रभावित

जमुई २८/१२ (संवाददाता):बिहार के जमुई जिले में शनिवार देर रात हावड़ा-किऊल रेलखंड पर स्थित सिमुलतला स्टेशन के पास एक मालगाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसके कारण अन्य ट्रेनों का आवागमन प्रभावित हुआ। इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

जानकारी के मुताबिक, सिमुलतला स्टेशन के पास मालगाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इसकी वजह से रात्रि से अप और डाउन लाइन पर ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हो गया है। कई एज़्सप्रेस ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तन किए गए हैं। रात में गुजरने वाली करीब दो दर्जन एज़्सप्रेस व पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन बाधित होने से यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे। बताया गया कि सीमेंट से लदी मालगाड़ी अप लाइन पर जसीडीह से झाझा की ओर जा रही थी और अचानक टेलवा बाजार हाल्ट के पास पुल संज़्या 676 पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे के बाद सभी डिज़्बे पुल के पास ही रह गए और इंजन करीब 400 मीटर आगे टेलवा बाजार हाल्ट के पास जाकर रुका। इसके बाद, गाड़ी के चालक और गार्ड ने तत्काल इसकी सूचना सिमुलतला स्टेशन को दी। रेलवे के अधिकारियों के मुताबिक, आसनसोल मंडल (पूर्व रेलवे) के लाहाबन-सिमुलतला स्टेशनों के मध्य किलोमीटर 344/05 के पास शनिवार की देर रात एक मालगाड़ी के आठ डज़्बे पटरी से उतर गए। इस कारण इस रेलखंड के अप एवं डाउन दोनों लाइनों पर रेल परिचालन बाधित हो गए हैं। सूचना मिलते ही आसनसोल, मधुपुर एवं झाझा से एआरटी घटना स्थल के लिए रवाना हो गए थे एवं परिचालन पुनर्बहाल करने हेतु युद्धस्तर पर कार्य जारी है।

माना जा रहा है कि जल्द ही इस मार्ग पर आवागमन बहाल होने की संभावना है। बताया गया कि इस रेल खंड पर चलने वाली ट्रेनों को विभिन्न मार्गों से चलाया जा रहा है।

कुलदीप सेंगर की रिहाई के खिलाफ सुको पहुंची सीबीआई

नई दिल्ली २८/१२ (संवाददाता): सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सीबीआई की उस याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें बीजेपी के निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर की सजा सस्पेंड करने के फैसले को चुनौती दी गई है। दिल्ली हाई कोर्ट ने हाल ही में सेंगर की उम्रकैद की सजा पर रोक लगाते हुए उसे जेल से बाहर आने का रास्ता साफ कर दिया था, जिसे अब सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की वेकेशन बेंच करेगी, जिसमें चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह शामिल हैं। दिल्ली हाई कोर्ट ने 23 दिसंबर को कुलदीप सिंह सेंगर की सजा को सस्पेंड कर दिया था। कोर्ट का तर्क था कि सेंगर पहले ही सात साल और पांच महीने जेल में बिता चुका है। सेंगर फिलहाल उन्नाव रेप केस में उम्रकैद की सजा काट रहा है। सीबीआई का मानना है कि ऐसे जघन्य अपराध के दोषी को जेल से

बाहर रखना न्याय के खिलाफ है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले पीड़िता ने अपनी सुरक्षा और न्याय को लेकर गहरी चिंता जताई है। समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए पीड़िता ने कहा, %मेरे पिता और परिवार के सदस्यों को मार दिया गया। अब मेरे और गवाहों की सुरक्षा हटा दी गई है, मेरे बच्चे घर पर असुरक्षित हैं।पीड़िता ने कहा, %मुझे पूरा भरोसा है कि सुप्रीम कोर्ट मुझे न्याय देगा। उसकी जमानत खारिज होनी चाहिए, उसने न केवल मेरा बलात्कार किया बल्कि मेरे पूरे परिवार को तबाह कर दिया।% पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि उसके पति को नौकरी से निकाल दिया गया है और वह हर उस महिला के लिए आवाज उठा रही है जिसके साथ अन्याय हुआ है।

बढ़ सकती है पीएम किसान सम्मान निधि की राशि, 1 फरवरी पर टिकीं करोड़ों अन्नदाताओं की निगाहें

नई दिल्ली २८/१२ (संवाददाता): देश के करोड़ों अन्नदाताओं के लिए आने वाले कुछ महीने बेहद खास और निर्णायक साबित होने वाले हैं। प्रधानमंत्री किसान सज़्मान निधि योजना, जो छोटे और सीमांत किसानों के लिए एक बड़ा सहारा है, उसे लेकर अब नई उज़्मीदें जाग उठी हैं। जहाँ एक तरफ किसान अपनी अगली यानी 22वीं किस्त के जारी होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ उनकी निगाहें 1 फरवरी, 2026 को पेश होने वाले केंद्रीय बजट पर भी टिकी हुई हैं।

अटकलें तेज हैं कि सरकार इस बार के बजट में किसानों को बड़ी राहत देते हुए सज़्मान निधि की राशि में बढ़ोतरी कर सकती है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक नई संजीवनी देगा।

केंद्र सरकार द्वारा इस योजना के लिए जिस तरह से फंड का आवंटन बढ़ाया जा रहा है, उससे साफ संकेत मिलते हैं कि कृषि क्षेत्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। मौजूदा विज़ वर्ष (2024-25) के आंकड़ों पर नजर डालें तो सरकार ने शुरुआत में 60,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया था, जिसे बाद में योजना की व्यापकता और किसानों की जरूरतों को देखते हुए बढ़ाकर 63,500 करोड़ रुपये कर दिया गया।

पिछले दो सालों में बजट में हुई यह 2,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा की वृद्धि यह दर्शाती है कि लाभार्थियों की संज़्या बढ़ रही है और सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि किसी भी पात्र किसान का पैसा न रुके।

इस समय किसानों और कृषि विशेषज़्ञों के बीच सबसे बड़ा चर्चा का विषय यही है कि ज़्या सालाना मिलने वाली 6,000 रुपये की सहायता राशि में इजाफा किया जाएगा? खेती की बढ़ती लागत, खाद-बीज के दाम और सामान्य महंगाई को देखते हुए लंबे समय से यह मांग की जा रही है कि सज़्मान निधि की रकम बढ़ाई जाए। फिलहाल यह राशि तीन किस्तों में सीधे बैंक खातों में (ष्ठङ्क्ष) आती है। जानकारों का मानना है कि विज़ मंत्री निर्मला सीतारमण जब 1 फरवरी, 2026 को बजट पेश करेंगी, तो उसमें कृषि मंत्रालय के प्रस्तावों को मंजूरी मिल सकती है और किसानों के लिए कोई 'बड़ा तोहफा' घोषित किया जा सकता है।

अदाणी की जीवन यात्रा मेहनती युवाओं के लिए प्रेरणा है-शरद पवार

मुंबई २८/१२ (संवाददाता): राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा कि उद्योगपति गौतम अदाणी की जीवन यात्रा बड़े सपने देखने वाले मेहनती युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। पवार ने पुणे जिले के बारामती में शरदचंद्र पवार कृत्रिम मेधा उत्कृष्टता केंद्र के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित किया।

अदाणी समूह के अध्यक्ष द्वारा विज़ पोषित यह उत्कृष्टता केंद्र पवार परिवार द्वारा संचालित शिक्षण संस्थान विद्या प्रतिष्ठान के अंतर्गत स्थापित किया गया है। शरद पवार ने कहा कि अदाणी गुजरात के सूखा-प्रभावित बनासकांठा जिले से आते हैं। वह मुंबई आए और बिल्कुल शून्य से शुरुआत की तथा आज उनका व्यवसाय देश के 23 राज्यों में फैला हुआ है।

उन्होंने कहा, ''अदाणी का यह सफर मेहनती युवाओं

के लिए प्रेरणा है, जो बड़े सपने देखते हैं।'' अदाणी ने शरद पवार को अपना मार्गदर्शक बताते हुए कहा कि वरिष्ठ नेता ने जमीनी हकीकत को राष्ट्रीय एज़ेंडे के साथ सफलतापूर्वक जोड़ा है।

उन्होंने कहा, ''बारामती परिवर्तन और असीम संभावनाओं का प्रतीक है, जो उनके दूरदर्शी नेतृत्व के कारण संभव हुआ है।'' इस अवसर पर राकांपा (शप) प्रमुख शरद पवार, बारामती से सांसद सुप्रिया सुले, महाराष्ट्र के उपमुज़्यमंत्री अजित पवार, उनकी पत्नी और राज्यसभा सदस्य सुनेत्रा पवार तथा पवार परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

राकांपा (शप) के विधायक रोहित पवार और विद्या प्रतिष्ठान के कोषाध्यक्ष युगेंद्र पवार भी कार्यक्रम में मौजूद थे। अदाणी इससे पहले पवार परिवार के गृह नगर बारामती में 2022 में गए थे जहां उन्होंने विज्ञान एवं नवोन्मेष गतिविधि केंद्र के उद्घाटन समारोह में भाग लिया था। पवार और अदाणी के बीच संबंध लगभग दो दशक पुराने हैं।

नयी परिभाषा से अरावली और अन्य छोटी पहाड़ियां नष्ट हो जाएंगी-जयराम रमेश

२८/१२ (संवाददाता): अरावली पर्वतमाला को पुनः परिभाषित किए जाने को लेकर जारी विवाद के बीच कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से रविवार को चार सवाल पूछे और दावा किया कि इस कदम से अरावली सहित कई छोटी पहाड़िया और अन्य भू आकृतियां नष्ट हो जाएंगी। यादव को लिखे पत्र में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अरावली पहाड़ियों की पुनर्परिको लेकर व्यापक चिंताएं होना स्वाभाविक है, ज़्योंकि इसके तहत इन्हें 100 मीटर या उससे अधिक की ऊंचाई वाले भू-आकृतियों तक सीमित कर दिया गया है।

उन्होंने कहा, ''इस संदर्भ में कृपया मुझे आपके विचारार्थ चार विशिष्ट प्रश्न पूछने की अनुमति दें। पहला प्रश्न- ज़्या यह तथ्य नहीं है कि राजस्थान

में 2012 से अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की परि28 अगस्त 2010 की भारतीय वन सर्वेक्षण की रिपोर्ट पर आधारित रही है, जिसमें निज़्नलिखित बातें कही गई हैंः सभी इलाके जिनका ढलान तीन डिग्री या उससे अधिक है, उन्हें पहाड़ियों के रूप में निरूपित किया जाएगा।''

रमेश ने कहा, ''इसके साथ ही ढलान की दिशा में एक समान 100 मीटर चौड़ा बफर जोड़ा जाएगा, ताकि 20 मीटर ऊंचाई की पहाड़ी के अनुरूप संभावित विस्तार को ध्यान में रखा जा सके, जो 20 मीटर के 'कंटूर इंटरवल' (समोच्च अंतराल) के बराबर है। इन निरूपित क्षेत्रों के भीतर आने वाले समतल इलाके, गड्ढे और घाटियों भी पहाड़ियों का हिस्सा मानी जाएंगी।''

उन्होंने दूसरा सवाल किया कि ज़्या यह सच नहीं है कि भारतीय वन सर्वेक्षण ने 20 सितंबर 2025 को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को भेजे गए अपने एक पत्र में यह कहा था- ''अरावली की छोटी पहाड़ी संरचनाएं मरुस्थलीकरण के खिलाफ प्राकृतिक अवरोध के रूप में काम करती हैं, ज़्योंकि वे भारी रेत कणों को रोकती हैं-इस प्रकार दिल्ली और आसपास के मैदानी इलाको को रेत के तूफानों से बचाती हैं।''

रमेश ने कहा, ''चूंकि हवा के साथ उड़ने वाली रेत के विरुद्ध किसी अवरोध की सुरक्षा क्षमता सीधे उसकी ऊंचाई के अनुपात में बढ़ती है, इसलिए 10 से 30 मीटर ऊंचाई वाली मामूली पहाड़ियां भी मजबूत प्राकृतिक हवा अवरोधकों के रूप में काम करती हैं।'' उन्होंने कहा, ''तीसरा सवाल- ज़्या यह तथ्य नहीं है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) ने अपनी सात नवंबर 2025 की रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला था कि राजस्थान में 164 खनन पट्टे उस समय प्रचलित भारतीय वन सर्वेक्षण की परिके अनुसार अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं के अंदर स्थित थीं?''

रमेश ने कहा, ''चौथा सवाल-ज़्या यह सच नहीं है कि इस नयी परिसे कई छोटी पहाड़ियां और अन्य भू-आकृतियां नष्ट हो जाएंगी और चार राज्यों में फैली पूरी अरावली पहाड़ियों एवं पर्वतमालाओं की भौगोलिक और पारिस्थितिक अखंडता टूटकर खत्म हो जाएगी?''विपक्षी कांग्रेस का दावा है कि अरावली पर्वतमाला की नयी परिके तहत 90 प्रतिशत से अधिक भाग संरक्षित नहीं रहेगा और खनन एवं अन्य गतिविधियों के लिए खुल जाएगा। इस मुद्दे पर विवाद के बाद केंद्र ने राज्यों को निर्देश जारी कर पर्वत श्रृंखला के भीतर नए खनन पट्टे देने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने को कहा है।

विविध समाचार

लैंड फॉर जॉब केस में तेज प्रताप और बहन हेमा को बेल, राबड़ी देवी बोलीं-जानबूझकर किया जा रहा परेशान

पटना २८/१२ (संवाददाता): राउज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को जमीन के बदले नौकरी घोटाले के मामले में तेज प्रताप यादवए हेमा यादव और अन्य आरोपियों को जमानत दे दी। वे समन जारी होने के बाद कोर्ट में पेश हुए। लालू प्रसाद यादवए राबड़ी देवी और मीसा भारती ने छूट की अर्जी दाखिल की। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने प्रत्येक आरोपी द्वारा 50ए000 रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि के जमानती बांड प्रस्तुत करने पर आरोपियों को जमानत दे दी। अदालत ने मामले की सुनवाई 20 मार्च को निर्धारित की है। बिहार की पूर्व मुज्यमंत्री और आरजेडी नेता राबड़ी देवी ने कहा कि जब भी चुनाव होने वाले होते हैंए भारत और राज्य सरकार जानबूझकर हमें परेशान करना शुरू कर देती हैण्ण्ण् अदालत जो भी कहेगीए हम उसे स्वीकार करेंगे। अदालत ने केंद्रीय जांच ज्यूरो द्वारा दायर निर्णायक आरोप सहित सभी तीन आरोपपत्रों का संज्ञान लिया। पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव और 77 अन्य आरोपियों के खिलाफ अंतिम

आरोप पत्र दाखिल किया गया है। आरोपियों में 30 सरकारी कर्मचारी और 38 उज्मीदवार हैं। पहली चार्जशीट में तीन अतिरिक्त आरोपियों को भी शामिल कर समन किया गया है। दूसरी चार्जशीट में आरोपी भोला यादवए प्रेम चंद गुप्ता को भी समन किया गया है। तीसरी चार्जशीट में हेमा यादव और तेज प्रताप यादव को भी समन किया गया है।

7 जून को केंद्रीय जांच ज्यूरो ;सीबीआईद्ध ने लालू प्रसाद यादव और 77 अन्य आरोपियों के खिलाफ जमीन के बदले नौकरी मामले में निर्णायक आरोपपत्र दाखिल किया। कोर्ट ने 29 मई को सीबीआई को जमीन के बदले नौकरी मामले में निर्णायक आरोपपत्र दाखिल करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने समय दिए जाने के बावजूद निर्णायक आरोपपत्र दाखिल न किए जाने पर भी नाराजगी जताई थी।

4 अज्टूबर 2023 को अदालत ने पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादवए बिहार के उपमुज्यमंत्री तेजस्वी यादवए राबड़ी देवी और अन्य को कथित भूमि के बदले नौकरी घोटाले मामले में पहले की चार्जशीट के संबंध में जमानत दे दी थी। सीबीआई के अनुसारए दूसरी चार्जशीट 17 आरोपियों के खिलाफ थीए जिसमें तत्कालीन केंद्रीय रेल मंत्रीए उनकी पत्नीए बेटेए पश्चिम मध्य रेलवे ;डज्ल्यूसीआरद्ध के तत्कालीन जीएमए डज्ल्यूसीआर के तत्कालीन दो सीपीओए निजी व्यक्तिए निजी कंपनी आदि शामिल थे। यह मामला भूमि के बदले नौकरी घोटाले से जुड़ा है।

कान्हा राष्ट्रीय उद्यान में में नज़सलियों से मुठभेड़, सुरक्षा बलों ने एक को किया ढेर

ज़मंडला २८/१२ (संवाददाता):मध्य प्रदेश के मंडला स्थित कान्हा नेशनल पार्क में पुलिस और नज़सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक नज़सली की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ में पुलिस कर्मियों की एक टीम और 18 से 20 नज़सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। फ्लिहाल तलाशी अभियान जारी है। उन्होंने कहा कि नज़सली की मौजूदगी की सूचना मिलने पर पुलिस और सुरक्षाकर्मियों की टीमें जंगल में गईए जहां 18.20 नज़सलियों के साथ मुठभेड़ हुई। इसके बाद एक नज़सली का शव बरामद किया गया। नज़सलियों के दो समर्थकों को गिरज़्तार किया गया है। तलाशी अभियान जारी है। दूसरी ओर छज़ीसगढ़ के गरियाबंद जिले में सोमवार को पांच.पांच लाख रुपये के इनामी तीन नज़सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। कथित तौर पर दो महिलाओं सहित ये नज़सली कई हमलों में शामिल थे और सरकार की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वाले नज़सलियों की पहचान दिलीप कुमार उर्फ ??संतूए मंजू लता उर्फ ??लक्ष्मी और सुनीता उर्फ जुनकी के रूप में की गई है। इन सभी को 25.25 हजार रुपये के चेक दिए गए और सरकार की नीति के अनुसार इनका पुनर्वास किया जाएगा। दिलीप कुमार ने अपनी स्वचालित राइफ्ल के साथ आत्मसमर्पण किया। गड़ियाबंद के उदंती सीता नदी नवापुड़ा धमतरी डिवीजन में सक्रिय तीनों नज़सलियों ने हाल ही में कुल्हाड़ी घाट पर हुई मुठभेड़ में भाग लिया थाए जिसमें 16 कट्टर नज़सली मारे गए थे।

नीट में उच्च अंक प्राप्त करने के बावजूद कई विद्यार्थियों का ज्ञान सीमित-हिमंत

गुवाहाटी २८/१२ (संवाददाता): असम के मुज्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार केंद्र से अज्यर्थियों की बायोमेट्रिक जांच कराने समेत राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा ;नीटद्ध के केंद्रों में सुरक्षा बढ़ाने का आग्रह करेगीए ज्योंकि यह पाया गया है कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा में उच्च अंक लाने के बावजूद कई छात्रों का ज्ञान सीमित है।शर्मा ने कैबिनेट की बैठक के बाद यहां एक संवाददाता सज्मेलन में कहा कि राज्य के चिकित्सा महाविद्यालयों के संकाय सदस्यों ने बताया है कि उच्च अंकों के साथ प्रवेश परीक्षा पास करने वाले छात्र उतने योग्य नहीं हैंए जितना उन्हें होना चाहिए।

उन्होंने कहा कई प्रोफेसर ने हमें बताया कि इतनी बड़ी परीक्षा में उच्च अंक प्राप्त करने के बावजूद कई छात्रों का व्यावहारिक या शैक्षणिक ज्ञान बहुत सीमित है। हमने करीब डेढ़ साल पहले विशेष शाखा से इस मामले की जांच करने को कहा था। शर्मा ने कहा कि पुलिस ने सरकार को सूचित किया है कि अधिकतर प्रवेश परीक्षा केंद्र निजी संस्थानों में हैंए सरकारी विद्यालयों या महाविद्यालयों में नहीं। उन्होंने कहाए ष्इससे दिल्ली द्वारा आयोजित किया जाता हैए इसलिए हमने अब तक इसमें हस्तक्षेप नहीं किया। केंद्र सरकार से अनुरोध करने के संबंध में कैबिनेट ने आज तीन निर्णय लिए। पहला यह है कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा केवल सरकारी विद्यालयों में आयोजित की जाए। मुज्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार एनटीए ;राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसीद्ध और शिक्षा मंत्रालय से जिला आयुक्तों और पुलिस अधीक्षकों की प्रत्यक्ष निगरानी में नीट आयोजित करने का भी अनुरोध करेगी।

उन्होंने कहा तीसरा अनुरोध परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने से पहले उज्मीदवारों की बायोमेट्रिक जांच करने के संबंध में किया जाएगा। मेरा मानना ??है कि अगर ये कदम उठाए जाते हैंए तो मेडिकल परीक्षा प्रक्रिया पारदर्शी होगी।

बांसुरी स्वराज के खिलाफ याचिका को खारिज करते हुए सोमनाथ भारती को कोर्ट की फटकार

नयी दिल्ली २८/१२ (संवाददाता): दिल्ली हाई कोर्ट ने आप नेता सोमनाथ भारती की याचिका खारिज कर दी है। याचिका में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी ;भाजपाद्ध की सांसद बंसुरी स्वराज के खिलाफ अपनी चुनाव याचिका में प्रतिलेख दाखिल करने की अनुमति मांगी थी। यह मामला 2024 लोकसभा चुनाव के दौरान कथित भ्रष्ट आचरण के आरोपों से संबंधित हैए लेकिन हाईकोर्ट ने आज इस याचिका पर सुनवाई करते हुए इसे खारिज कर दिया। आप नेता सोमनाथ भारती द्वारा 2024 के आम चुनावों में नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज के चुनाव को चुनौती दी गई है। भारती ने आरोप लगाया है कि स्वराज का चुनाव भ्रष्ट आचरण से प्रभावित थाए जिससे परिणाम कानूनी रूप से संदिग्ध हो गए। कोर्ट ने कहा कि ये कोई पोस्ट ऑफिस नहीं है। हम न्यायिक समय बर्बाद नहीं कर सकते। अपनी याचिका में सोमनाथ भारती ने सरकारी संसाधनों के दुरुपयोगए अनुचित प्रचार रणनीति और मतदाता हेरफेर सहित चुनाव कानूनों के विभिन्न कथित उल्लंघनों का हवाला दिया। उन्होंने अदालत से यह जांच करने का आग्रह किया है कि ज्या चुनाव प्रक्रिया जनप्रतिनिधित्व अधिनियमए 1951 का पालन करती हैए जो भारत में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के संचालन को नियंत्रित करता है। न्यायालय ने प्रक्रियागत मामलों के लिए प्रॉज़्सी वकील के इस्तेमाल की बढ़ती प्रवृज़ि की आलोचना कीए तथा प्रत्यक्ष जवाबदेही के महत्व पर प्रकाश डाला। ये टिप्पणियां सोमनाथ भारती द्वारा यह दावा किए जाने के बाद आईं कि दूसरे पक्ष ने लिखित प्रस्तुतियाँ नहीं दी हैं।

आगे की जांच के बाद भारती ने बताया कि पिछली सुनवाई के दौरान वे चुनाव ड्यूटी में व्यस्त थेए तथा उनके वकील केवल प्रॉज़्सी के रूप में उपस्थित हुएए तथा उनके पास कोई ठोस तर्क देने का अधिकार नहीं था।

डीआरआई ने गालियां दीं, एज्ट्रेस ने कोर्ट में कहा- पूछताछ के दौरान किया मेरा मानसिक उत्पीड़न

नयी दिल्ली २८/१२ (संवाददाता): हाई.प्रोफाइल सोना तस्करी मामले में गिरज़्तारी के बाद शुक्रवार को आर्थिक अपराध के लिए विशेष अदालत ने डीआरआई को अभिनेत्री की हिरासत में आज तक के लिए सौंप दिया था। आज उन्हें न्यायमूर्ति विश्वनाथ सी गौड़र के समक्ष पेश किया गयाए जिन्होंने उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अदालती कार्यवाही के दौरान जांच अधिकारी ने न्यायाधीश को बताया कि रान्या को डीआरआई अधिकारियों द्वारा किसी भी प्रकार का उत्पीड़न नहीं किया गया। दुबई

से सोना तस्करी कर बेंगलुरु के केज़्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पकड़ी गई कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव को सोमवार को अदालत में पेश किया गया। अदालत में सुनवाई के दौरान रान्या ने राजस्व खुफ्िया निदेशालय ;डीआरआईद्ध के अधिकारियों पर आरोप लगाया कि जब भी वह उनके सवालों का जवाब देना बंद करती हैं तो अधिकारी उनके साथ गाली.गलौज करते हैं। हाई.प्रोफाइल सोना तस्करी मामले में गिरज़्तारी के बाद शुक्रवार को आर्थिक अपराध के लिए विशेष अदालत ने डीआरआई को अभिनेत्री की हिरासत में आज तक के लिए सौंप दिया था। आज उन्हें न्यायमूर्ति विश्वनाथ सी गौड़र के समक्ष पेश किया गयाए जिन्होंने उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अदालती कार्यवाही के दौरान जांच अधिकारी ने न्यायाधीश को बताया कि रान्या को डीआरआई अधिकारियों द्वारा किसी भी प्रकार का उत्पीड़न नहीं किया गया। अधिकारी ने कहा कि पूछताछ के दौरान वह किसी भी सवाल का जवाब देने से इनकार कर देती है। जब भी हम पूछते हैंए वह चुप रहती है। हमने पूरी जांच रिकॉर्ड कर ली है।

आईओ ने आगे आरोप लगाया कि सबूत दिखाए जाने और खास सवाल पूछे जाने पर भी उसने कोई जवाब नहीं दिया। आईओ ने आरोप लगाया कि उसके वकीलों ने उसे अदालत में प्रवेश करते ही बता दिया था कि उसे ज्या कहना है।

महाराष्ट्र में वधावन बंदरगाह 2030 तक चालू हो जाएगा-अजीत पवार

मुंबई २८/१२ (संवाददाता): महाराष्ट्र के विज़ मंत्री अजीत पवार ने सोमवार को कहा कि पालघर जिले में विकसित किया जा रहा वधावन बंदरगाह वर्ष 2030 तक चालू हो जाएगा। पवार ने राज्य विधानसभा में विज़ वर्ष 2025.26 का बजट पेश करते समय यह घोषणा की।

विज़ मंत्री ने कहा पालघर में बन रहा वधावन बंदरगाह 2030 तक चालू हो जाएगा।ष् उन्होंने कहा कि मुंबई के लिए तीसरा हवाई अड्डा वधावन बंदरगाह के पास बनाने का प्रस्ताव है। इसके अलावा मुंबई.अहमदाबाद बुलेट ट्रेन का एक स्टेशन भी इस बंदरगाह के नजदीक बनेगा।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की नई औद्योगिक नीति 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश और 50 लाख नौकरियों के

सृजन पर केंद्रित होगी।

पवार ने अपने बजट भाषण में कहा कि मुंबई महानगर क्षेत्र को विकास केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है और 2047 तक इसकी अर्थव्यवस्था 1ण्5 लाख करोड़ डॉलर की हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि महाराष्ट्र में नई स्वास्थ्य और वरिष्ठ नागरिकों की नीति होगी।

पवार ने अपने बजट भाषण में जल्द ही शिरडी हवाई अड्डे पर रात के समय विमानों के उतरने की सुविधा शुरू होने की भी घोषणा की। उन्होंने यह भी कहा कि अगले महीने से नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से घरेलू उड़ानें संचालित होंगी।

उन्होंने कहा कि इसका 85 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और परीक्षण भी सफ्लतापूर्वक किए जा चुके हैं। पवार ने कहा कि मेट्रो सेवा मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से जोड़ने का काम करेगी।

सांसद कनिमोझी ने धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ दायर किया विशेषाधिकार हनन का नोटिस

चेन्नई २८/१२ (संवाददाता):डीएमके सांसद कनिमोझी ने सोमवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मुद्दे पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की टिप्पणी के जवाब में उनके खिलाफ संसदीय विशेषाधिकार हनन का नोटिस दायर किया। यह नोटिस एनईपी के तहत प्रस्तावित त्रि.भाषा फार्मूले पर चल रही बहस के बीच आया हैए जिसने केंद्र और तमिलनाडु सरकार के बीच तीव्र विवाद को जन्म दिया है। नोटिस दाखिल करने से पहले कनिमोझी ने कहा कि डीएमके सरकार ने एनईपी पर चिंता जताई है और नीति को पूरी तरह से स्वीकार करने से इनकार कर दिया है।केंद्र सरकार पर निशाना

साधते हुए कनिमोझी ने कहा कि उन्हें स्कूली शिक्षा के लिए फंड को छज्च् कार्यान्वयन से नहीं जोड़ना चाहिए। हमने अपना रुख नहीं बदला है। मंत्री ने हमें झूठा और असज़्य कहा। उन्होंने हमारे स्वाभिमान को ठेस पहुंचाई। हम किसी भाषा के खिलाफ नहीं हैंए लेकिन आप हमें असज़्य नहीं कह सकते। इससे पहले तमिलनाडु में एनईपी के कार्यान्वयन को लेकर उठे विवाद के बीच प्रधान की टिप्पणी की कई विपक्षी सदस्यों द्वारा निंदा किए जाने के बाद लोकसभा को कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया गया था।पीएम श्री योजना पर एक सवाल का जवाब देते हुए प्रधान ने कहा कि डीएमके के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार ने केंद्र प्रायोजित योजना को लागू करने पर अपना रुख बदल दिया हैए जिसमें केंद्रए राज्य या स्थानीय निकायों द्वारा प्रबंधित स्कूलों को मजबूत करने की परिकल्पना की गई थी। प्रधान ने आगे कहाए ष्वे बेईमान हैं और वे तमिलनाडु के छात्रों का भविष्य बर्बाद कर रहे हैं। वे राजनीति कर रहे हैं।ष् केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन भी शुरू में सहमत थे श्लेकिन अचानक कुछ सुपर सीएम सामने आए और उन्होंने यू.टर्न ले लिया।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND & CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

विविध समाचार

ऑनलाइन सीखें स्पोकन इंग्लिश

बच्चे हों या बूढ़े इन दिनों हाथों हाथ मोबाइल होना आम बात है। शॉपिंग, मूवी, मनी ट्रांसफर, बैंकिंग, गेम्स आदि सबकुछ की ऑनलाइन सुविधा है। ऐसे में हर कोई अपने-अपने स्मार्टफोन में ही बिजी है। महिलाओं के लिए भी इंटरनेट ने काफी सुविधाएं दे रखी हैं। खाना बाना से लेकर सिलाई-बुनाई जैसी कई जरुरी चीजों की जानकारी हमें गूगल के माध्यम से मिल जाती है। यहां तक पढ़ाई के लिए भी कई सारे ऐप्स और वेबसाइट्स इंटरनेट पर इजिली आपको मिल जाएंगे। इसका सही इस्तेमाल कर आप घर बैठे ही अपनी अंग्रेजी भी ठीक कर सकती हैं। अगर आप घर बैठे इंग्लिश स्पोकन सीखना चाहती हैं, तो आपको अब ज्यादा खर्च भी नहीं लगेगा। यहां हम आपको इंग्लिश स्पोकन के कुछ ऐसे वेबसाइट्स बताएंगे, जहां से आप बिल्कुल फ्री स्पोकन सीख सकती हैं।

ऐप्स की लें मदद

ऑनलाइन इंग्लिश सीखने के लिए आपको अपने एड्रॉयड फोन या आईफोन में लैग्वेज लर्निंग ऐप्स डाउनलोड कर सकते हैं। यहां आपको ढेर सारे ऐप्स मिलेंगे। कुछ बिल्कुल फ्री तो कुछ में डेमो क्लास के बाद फीस देनी होती है। आप डेमो क्लास से भी बेसिक इंग्लिश सीख जाएंगी।

ऑनलाइन इंग्लिश न्यूजपेपर

किसी भी भाषा पर अच्छी पकड़ बनाने के लिए न्यूजपेपर बहुत अच्छा मीडियम माना जाता है। ऐसे में आप चाहें तो अपने फोन या लैपटॉप में कुछ इंग्लिश न्यूजपेपर के ऐप्स को डाउनलोड कर कर सकते हैं।

मोबाइल या लैपटॉप में पढ़ें किताबें

इंग्लिश रीडिंग डालने से भी स्पोकन अच्छी होती है। ऐसे में आप चाहें तो ऑनलाइन किताबें भी पढ़ सकती हैं। इसका फायदा यह होता है कि आप कभी भी और कहीं भी उसे एक्सेस कर सकती हैं। वर्ड पावर बढ़ाने के लिए आप ऑनलाइन डिक्शनरी भी पढ़ सकती हैं। इससे रोजाना कुछ शब्द भी याद होंगे और उनसे इंग्लिश स्पोकन की प्रैक्टिस में भी मदद मिलेगी।

पॉडकास्ट भी है अच्छा ऑप्शन

इन दिनों पॉडकास्ट का क्रेज काफी बढ़ गया है। आप कभी भी इंग्लिश पॉडकास्ट सुनकर अपनी इंग्लिश स्पोकन के साथ कम्युनिकेशन स्किल बढ़ा सकती हैं। इससे आपको शब्दों का सही उच्चारण सीखने का मौका मिलेगा। इन्टरनेट पर हजारों इंग्लिश पॉडकास्ट आपको मिल जाएंगे।

भारत में लगातार विकसित हो रहा है फैशन उद्योग

एक अध्ययन के मुताबिक भारत की फैशन इंडस्ट्री इस समय 200 करोड़ का आकड़ा छू रही है तथा बड़े डिजाइनरों की सालाना बिक्री लगभग 25 करोड़ रुपए है, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह बाजार 35 बिलियन डॉलर के करीब है। यह इंडस्ट्री आने वाले सात वर्षों में भारतीय बाजार में ढाई हजार करोड़ तक पहुंचने का रिकॉर्ड बना सकती है। फैशन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने फैशन एंड डिजाइन प्रमोशन काउंसिल (एफडीपीसी) का गठन किया है। इस काउंसिल ने उभरते फैशन डिजाइनरों तथा स्कूल-कॉलेजों से पास हुए छात्रों के लिए 25 फीसदी आरक्षण का प्रावधान भी किया है। भारत में फैशन उद्योग लगातार विकसित हो रहा है तथा अंतरराष्ट्रीय फैशन के क्षेत्र में एक बड़ा उद्योग बन चुका है। इंडिया फैशन वीक और भारत के प्रमुख शहरों में फैशन डिजाइनरों द्वारा वार्षिक शो जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों से साफ हो गया है कि मिस वर्ल्ड, मिस यूनिवर्स व अन्य प्रतियोगिताओं में भारतीय सुंदरियां किसी से कम नहीं हैं।

कोर्स की रूपरेखा

महज कोई पर किसी डिजाइन की स्केचिंग ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि छात्रों को इस इंडस्ट्री के विभिन्न क्षेत्रों के बारे में विशेषज्ञता हासिल करनी होती है। यह एक प्रोफेशनल कोर्स है, जिसके अंतर्गत गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी, टैक्सटाइल साइंस, अपैरल कंस्ट्रक्शन मेथड, फैब्रिक ड्राइंग एवं प्रिंटिंग, कलर मिक्सिंग एवं... ...कम्प्यूटर एडेड डिजाइन (सीएडी) आदि क्षेत्रों में से किसी एक का चयन करना होता है। फैशन डिजाइनिंग में कई सारे कोर्स जैसे एक्सेसरीज एवं ज्वैलरी डिजाइनिंग, मॉडलिंग, गारमेंट डिजाइनिंग, लेदर डिजाइनिंग, इंटीरियर डिजाइनिंग, टैक्सटाइल डिजाइनिंग, फुटवेयर डिजाइनिंग आदि को शामिल किया जाता है। इसके अलावा भी कई महत्वपूर्ण कोर्स इस इंडस्ट्री के लिए कारगर होते हैं, जैसे कि एमए, बीजी, बीए, अंडरग्रेजुएट डिप्लोमा, शॉर्ट टर्म लेवल आदि कोर्स।

फैशन जगत की शाखाएं

बात यदि फैशन इंडस्ट्री की शाखाओं की हो तो इसमें कई विकल्प निखर कर सामने आते हैं। छात्रों को अपनी रुचि के अनुसार क्षेत्रों का चयन करना होता है। कुछ शाखाएं नीचे दी गई हैं-

फैशन कम्युनिकेशन

जब भारी संख्या में घरेलू और विदेशी ब्रांड, कंपनियां और डिजाइनर भारतीय बाजार पर धावा बोल रहे हों तो इन सबके लिए अपनी विशिष्ट ब्रांड पहचान विकसित करना और बिक्री के लिए अधिकतम मात्र में उपलब्ध रहना अनिवार्य हो जाता है। यह बड़ा काम फैशन कम्युनिकेशन प्रोफेशनल्स आसान कर देते हैं।

फैशन स्टाइलिंग

भारत में फैशन स्टाइलिंग भले ही एक नया कॉन्सेप्ट हो, लेकिन यह तेजी से आकर्षक करियर में तब्दील हो रहा है। सफल स्टाइलिस्ट बनने के लिए फैशन के हर पहलुओं पर नजर, टीम में काम करने की क्षमता होनी जरूरी है। इसके कोर्स में मेकअप, हेयर स्टाइलिंग, फोटोग्राफी, कम्प्यूटर एवं आईटी एप्लीकेशंस की जानकारी विकसित करने के लिए टूल्स, टेक्नीक्स और स्किल्स सिखाये जाते हैं।

> फैशन के क्षेत्र में अपना परचम लहराने के लिए प्रोफेशनल्स का कौशल, ज्ञान व प्रदर्शन ही उन्हें दूसरों से अलग करता है। सिर्फ चंद किताबें रट कर फैशन अथवा उसकी बिक्री करने की कला नहीं सीखी जा सकती। मौजूदा बाजार माहौल के कारण अब पहले की अपेक्षा कहीं अधिक जरूरी हो गया है कि आप अपने कार्य कौशलों को बढ़ा कर फैशन इंडस्ट्री में अपनी रचनात्मकता को आजमाएं।

फैशन फोटोग्राफी

फैशन जर्नलिस्ट का दूसरा काम फोटोग्राफी से संबंधित होता है। अभिलाषा और कल्पना की उड़ान के दामनों से बने कपड़ों की तस्वीरों को जर्नलिस्ट अपने पाठकों के लिए कुछ इस प्रकार से गढ़ता है कि पाठक उससे खुद को आसानी से जोड़ सके।

फैशन जर्नलिज्म

योग्य और प्रतिभाशाली युवाओं के लिए फैशन जर्नलिज्म में रोजगार के लिए बेहतरीन ऑप्शंस हैं, क्योंकि फैशन इंडस्ट्री में एक्सक्लूसिव राइटिंग और टीवी प्रोग्राम बनाने के लिए बहुत अवसर हैं। फैशन जर्नलिस्ट फुलटाइम या फ्रीलांस के रूप में काम करते हैं।

विदेश में चाहिए नौकरी तो रिज्यूमे बनाते समय इन बातों का रखें ख्याल

अगर आपका भी सपना विदेश में नौकरी करने का है तो आपको रिज्यूमे बनाते समय कुछ खास चीजों का ध्यान रखना होगा।

विदेश में नौकरी करना सभी का सपना होता है। कई लोग सालों तक विदेश में नौकरी करने के लिए इंटरव्यू देते हैं। हालांकि कई बार हमें इंटरव्यू के लिए भी कॉल नहीं आता है। विदेश में नौकरी चाहिए तो आपको अपने रिज्यूमे पर खास ध्यान देना चाहिए। अगर आपका रिज्यूमे सही तरीके से बना होगा तो आपको नौकरी के लिए तुरंत कॉल आ सकता है। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कि आपको रिज्यूमे बनाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

वर्क एक्सपीरियंस

वर्क एक्सपीरियंस आपको सही तरीके से लिखना है। आपने किस कंपनी में क्या- क्या काम किया है और क्या कुछ नया सीखा है। इसे आपको विस्तार से लिखना होगा। किसी भी कंपनी से आपको तभी कॉल आएगा जब आपका रिज्यूमे उन्हें पसंद आएगा। ऐसे में आपको अपने वर्क एक्सपीरियंस को अच्छे से लिखना चाहिए।

एजुकेशन

आपको अपने एजुकेशन के बारे में विस्तार से लिखना होगा। तभी आपको कंपनी से इंटरव्यू के लिए कॉल आएगा। एजुकेशन-क्वालिफिकेशन के दौरान आपको यह भी लिखना होगा कि आपके कितने मार्क्स आए थे। कई कंपनियां मार्क्स भी देखती हैं।

स्किल्स पर ध्यान दें

आपको अपने स्किल्स के बारे में लिखना है। ध्यान रखें कि रिज्यूमे पर जो भी लिखा होता है आपसे उसी चीज को लेकर सवाल पूछे जाते हैं। ऐसे में आपको अपने स्किल्स को लेकर काफी ध्यान देना है। उन्हीं चीजों के बारे में लिखें जो आपको आता है। अगर आपको नहीं आता होगा तो इंटरव्यू के दौरान आप सभी सवालों का जवाब नहीं दे पाएंगे।

पर्सनल डिटेल जरूर लिखें

कंपनी आपको भारत से विदेश बुलाएगी तो आपका यह बैकग्राउंड जरूर चेक करेगी। ऐसे में आपको अपने रिज्यूमे में पर्सनल डिटेल जरूर ऐड करना चाहिए। आप अपने फैमिली डिटेल और अपना पूरा डिटेल जरूर लिखें।

एग्जाम स्ट्रेस को इस तरह करें दूर

परीक्षा के दिन बच्चों के लिए सबसे अधिक तनावपूर्ण होते हैं। बच्चे कितना भी चाहें, लेकिन फिर भी वह परीक्षा के स्ट्रेस को खुद से दूर नहीं रख पाते। कुछ बच्चों का तनाव इस हद तक बढ़ जाता है कि वह अपनी पढ़ाई में भी ध्यान केन्द्रित नहीं कर पाते। जिससे उनकी परीक्षाएं प्रभावित होती हैं। कई बार तो यह स्ट्रेस उनके मानसिक ही नहीं, शारीरिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। हालांकि अगर आप बच्चों को परीक्षा के दिनों में स्ट्रेस फ्री रखना चाहते हैं तो इन टिप्स को अपना सकते हैं-

सिर्फ पढ़ाई नहीं

परीक्षा के दिनों पर बच्चों के मन में तनाव का एक मुख्य कारण हरदम पढ़ाई की बात करना होता है। दरअसल, एक ओर बच्चे पहले ही पढ़ाई को लेकर चिंतित रहते हैं, वहीं दूसरी ओर घर का माहौल भी कुछ ऐसा होता है, जिससे बच्चे का तनाव बढ़ता जाता है। इसलिए यह जरूरी है कि आप बच्चे से हरदम पढ़ाई की ही बात ना करें, बल्कि उसके साथ थोड़ी देर टहलें या फिर खेलें। अन्य एक्टिविटी करने से बच्चे का मूड फ्रेश होता है, जिससे वह बेहतर तरीके से परफॉर्म करते हैं।

बनाएं स्टडी प्लॉन

अमूमन माता-पिता बच्चों से सिर्फ पढ़ाई की ही बात करते हैं, जिससे बच्चा परेशान हो जाता है। यकीनन इस समय बच्चों को अतिरिक्त पढ़ाई करने की जरूरत होती है, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आप एक स्टडी प्लॉन बनाएं। मसलन, बच्चा पूरे दिन में कितनी देर पढ़ाई करेगा और उसके कितनी देर का ब्रेक लेना है। एक बार में वह कितने पार्ट को कवर करेगा, इन सब की प्लानिंग पहले ही कर लें। इस तरह जब आप पहले से ही सारी प्लानिंग कर लेंगी तो इससे बच्चों का भी तनाव कम होगा।

खान-पान

परीक्षा के दिनों में बच्चों का खान-पान भी काफी अहम होता है। इस दौरान बच्चों को अतिरिक्त भूख लगती है। लेकिन आप बच्चों को हैवी या तला हुआ फूड खिलाने की जगह थोड़ी-थोड़ी देर में कुछ ना कुछ खाने को दें। साथ ही लिक्विड की मात्रा अधिक रखें और उसे हेल्दी स्नैक्स जैसे रोस्टेड बादाम या मखाना आदि दें। यह बच्चे को लंबे समय तक फुल रखेंगे और उनका एनर्जी लेवल बनाए रखेंगे। इतना ही नहीं, उनका संतुलित खान-पान बच्चों के तनाव को दूर करता है।

करें रिलैक्स

अगर बच्चा पढ़ाई को लेकर अतिरिक्त तनाव में है तो आप उनके साथ मिलकर कुछ रिलैक्सेशन एक्टिविटी कर सकते हैं। जैसे डीप ब्रीदिंग, मेडिटेशन, करें। इसके अलावा आप कुछ देर उन्हें जो पसंद हो, वह जरूर करने दें। भले ही वह म्यूजिक सुनना हो या फिर कोई गेम खेलना। दरअसल, इस तरह की एक्टिविटी बच्चे के लिए स्ट्रेस बस्टर की तरह काम करती है।

परीक्षा के दिनों पर बच्चों के मन में तनाव का एक मुख्य कारण हरदम पढ़ाई की बात करना होता है। दरअसल, एक ओर बच्चे पहले ही पढ़ाई को लेकर चिंतित रहते हैं, वहीं दूसरी ओर घर का माहौल भी कुछ ऐसा होता है, जिससे बच्चे का तनाव बढ़ता जाता है।

अगर आप भी ड्रोन पायलट में अपना करियर बनाने के बारे में सोच रहे हैं...

आधुनिक दौर में आज हर एक काम टेक्नोलॉजी से कंटेक्ट हो चुका है। एक समय हुआ जब ड्रोन को हम सभी केवल टेलीविजन और इक्का दुक्का जगहों पर देखने को मिलता था। लेकिन आज अधिकतर फोटोग्राफर, वीडियोग्राफर, इन्फ्लूयंसर, आदि के पास देखने को मिल जाता है। पहले एक समय हुआ करता था जब ड्रोन को उड़ाने वाले लोगों के पास ट्रेनिंग होती थी। लेकिन समय के बदलते दौर के साथ सिक्योरिटी से लेकर मीडिया इंडस्ट्री हर जगह ड्रोन का इस्तेमाल हो रहा है। शादी-ब्याह से लेकर फिल्म शूटिंग हर जगह पर ड्रोन का इस्तेमाल हो रहा है। अगर आप भी इस फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं तो जानिए कैसे आप इस फील्ड के लिए तैयार हो सकते हैं।

ड्रोन पायलट बनने की योग्यता

ड्रोन का इस्तेमाल कमर्शियल फील्ड और रीक्रिएशनल फील्ड दोनों में किया जा रहा है। ड्रोन पायलट बनने के लिए 12 वीं पास होना जरूरी है। ड्रोन उड़ाने के लिए आपको प्रोफेशनल ट्रेनिंग लेने की जरूरत होती है। आपको यह जानना भी जरूरी है कि ड्रोन पायलट बनने के लिए योग्यता अलग-अलग संस्थान के हिसाब से भी निर्धारित होती है।

अगर आप ड्रोन पायलट में अपना करियर बनाने के बारे में सोच रहे हैं, तो जानिए कि इसके लिए आपके पास क्या-क्या योग्यताएं होनी चाहिए।

कैसे बन सकते हैं ड्रोन पायलट

ड्रोन पायलट बनने वाले कैंडिडेट को डीजीसीए द्वारा रिकग्नाइज्ड इंस्टीट्यूट से ट्रेनिंग लेनी होती है। इसके लिए आपको मेडिकल एग्जामिनेशन भी क्लियर करना होता है।

लाइसेंस लेने के लिए करना होता एग्जाम क्लियर

लाइसेंस पाने के लिए पहले ट्रेनिंग लेनी होती है इसके बाद आपको लिखित परीक्षा क्लियर करनी होती है। आपको बता दें कि इसके लिए डीजीसीए लाइसेंस (कोचिंग गाइडलाइन) देता है। अगर बात करें फीस के बारे में तो इंस्टीट्यूट के हिसाब से यह 30 हजार से लेकर 1 लाख तक हो सकती है।

सरकार द्वारा लांच की गई वेब साइट

कुछ समय पहले इंडियन गवर्नमेंट की तरफ से वेबसाइट लॉन्च की है। इस साइट पर जाकर आप ड्रोन पायलट करियर से जुड़ी सारी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

कलिंग समाचार

संपादकीय

सोमवार 29 दिसंबर 2025

स्कूली शिक्षा-चिंताजनक तस्वीर

एक ओर तो भारत विश्वगुरु होने का दावा कर रहा हैए तो वहीं दूसरी तरह स्कूली शिक्षा में बड़ी गिरावट की रिपोर्ट सामने आ रही है जो बेहद चिंताजनक है। स्वयं केन्द्र सरकार द्वारा जो आंकड़े जारी किये गये हैं वे भारत की भयावह तस्वीर पेश कर रहे हैं. वर्तमान व भावी दोनों ही। कोई भी अंदाजा लगा सकता है कि ज्ञान के बिना कैसा भारत बनेगा। वैसे तो स बन्धित विभाग द्वारा इन आंकड़ों को अब न्यायसंगत बतलाने की कवायद भी जारी हैए लेकिन यथार्थ यही है कि शिक्षा के मामले में भारत में बड़ी गिरावट दर्ज हुई है। स्कूली शिक्षा ही उच्चतर शिक्षाए शोध और यहां तक कि अध्ययन के पश्चात देश को चलाने वाली पीढ़ी के स्तर को भी तय करती है। अगर नयी पीढ़ी का शैक्षणिक स्तर खराब रहा तोए जैसा कि आंकड़े बतला रहे हैंए देश का एक स्याह व निराशाजनक भविष्य ही दिखता है। सरकार को चाहिये कि तमाम मतांतरों को एक तरफ रखकर शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने में जुट जाये। सभी तरह के पूर्वाग्रहों को छोड़कर हर बच्चे को स्कूली शिक्षाए वह भी गुणवत्तायुक्त दिलाना सरकार का पहला कर्तव्य होना चाहिये। शिक्षा मंत्रालय की एकीकृत जिला सूचना प्रणाली यूडीआईएसई द्वारा साल 2023-24 की जो रिपोर्ट जारी की गयी हैए उसके अनुसार इस वर्ष के दौरान देश भर के स्कूलों में 37 लाख नामांकनों की कमी आई है। यूडीआईएसई नामक यह प्लेटफॉर्म राष्ट्रीय स्तर पर स्कूलों के आंकड़े एकत्र करता है। उसके अनुसार 2022-23 में 25.17 करोड़ नामांकित विद्यार्थी थे जो 2023.24 में घटकर 24.80 करोड़ हो गये। छात्र 21 लाख और छात्राएं 17 लाख घट गयीं। अल्पसं यकों की सं या 20 फीसदी कम हुई। हालांकि इस विभाग के अधिकारी इन आंकड़ों को तर्कसंगत बताने की कोशिश करते हुए कह रहे हैं कि डेटा संग्रहण प्रणाली में परिवर्तन हुआ है। 2021-22 के पहले तथा अब के आंकड़ों में तुलना नहीं हो सकती और वास्तविक स्थिति अलग है। वे यह भी बतला रहे हैं कि 2030 तक सभी स्तरों तक स्कूली शिक्षा उपलब्ध कराई जायेगी। अन्य तथ्यों तथा विभागीय अधिकारियों द्वारा 2030 से स बन्धित तमाम दावों को एक ओर रख दिया जायेए तो भी इन आंकड़ों के आधार पर कहा जा सकता है कि यह स्थिति कोई उ मीद लेकर नहीं आती। आधुनिक विश्व में शिक्षा का महत्व सभी जानते हैं। बगैर अथवा गुणवत्ताहीन शिक्षा के आधार पर कोई भी व्यक्तिए समाज या देश विकास की कल्पना भी नहीं कर सकता। जो भी देश आज अग्रणीए विकसित और सही मायनों में आधुनिक हैंए वे दरअसल अनिवार्यए सभी की सहज पहुंच वाली तथा गुणवत्तायुक्त शिक्षा व्यवस्था के कारण ही हैं। इसलिये आधुनिक भारत के निर्माताओं ने इस पर बहुत जोर दिया था। वर्षों की गुलामी से बाहर निकले भारत को सीमित संसाधनों व अनेक दुश्वारियों के बावजूद तेजी से विकास की राह पर अग्रसर करने के लिये आधुनिक शिक्षा प्रणाली की बुनियाद रखी गयी थी। देश भर में शासकीय स्कूलों एवं कॉलेजों का जाल बनाया गया। राष्ट्र निर्माताओं की वह ऐसी पीढ़ी.लिखी जमात थी जो उच्च शिक्षित तथा विद्वान थी। इसलिये उसे शिक्षा का महत्व मालूम था। इसी शिक्षा व्यवस्था ने देश को जल्दी ही आधुनिक देशों की पंक्तियों में ला खड़ा किया था। न सिर्फशालेय शिक्षा बल्कि उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिये भी अल्प समय में कई विश्वविद्यालय, आईआईएम, इंजीनियरिंग,आईआईटी जैसे संस्थान खोले गये थे। इनसे निकले युवाओं ने देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ज्यादातर सरकारों ने इसकी महत्ता को जान.समझकर देश की शिक्षा प्रणाली को बेहतर करने की उत्तरोत्तर कोशिशें कीं लेकिन 2014 में आई भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने इसकी जैसी उपेक्षा कीए वैसी आजाद मुल्क ही नहीं वरन अंग्रेजी शासनकाल में भी नहीं हुई थी। यह उपेक्षा अनायास नहीं वरन सायास है और हीनभावना से ग्रस्त शासकों द्वारा की गयी है जो पढ़ने.लिखने से दूर तक नाता न रखने वाले हैं। प्रबुद्ध समाज को यह सरकार मानो अपना दुश्मन मानती है। इस मद में सरकार का बजट घटता चला गया है या उसका बड़ा हिस्सा उपयोग में नहीं लाया जाता।

नये राज्यपाल के आने के बाद बिहार में राजनीतिक बदलाव की संभावना

अरुण श्रीवास्तव

नीतीश कुमार के बिना भाजपा चुनावी जंग जीतने की कल्पना भी नहीं कर सकती। 22 दिसंबर को नुकसान की भरपाई के उपाय के तौर पर राज्य भाजपा नेता और उपमु यमंत्री सम्राट चौधरी ने स्पष्ट रूप से कहा कि आगामी बिहार चुनाव एनडीए और मु यमंत्री के चेहरे के रूप में जेडी;यूद्ध प्रमुख नीतीश कुमार के साथ चुनाव लड़ा जायेगा।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ;राजगद्ध की 25 दिस बर को हुई बैठक के कई जटिल निहितार्थ थे। इसका उद्देश्य विपक्ष के आ यानों का मुकाबला करने के लिए एक तंत्र विकसित करना थाए मु य रूप से भाजपा के दिग्गज नेता अमित शाह को कांग्रेस के आक्रामक रूख से बचाने के लिएए क्योंकि कांग्रेस नेता भारत के संविधान निर्माता डॉण् बीण्आरण् अंबेडकर संबंधी शाह के बयान पर उनपर निशाना साध रहे हैं। दूसरा महत्वपूर्ण एजंडा नीतीश कुमार जैसे नेताओं को उनकी जगह दिखाना था। इसी के मद्देनजरए भाजपा की तर्ज पर एनडीए के लिए मार्गदर्शक मंडल बनाने का मुद्दा भी सामने आया।

एनडीए के अधिकांश नेताओं के लिए बैठक बुलाना अनिवार्य हो गया था। भाजपा नेताओं के उस वर्ग के लिए भीए जो भाजपा आईटी सेल और अमित शाह के करीबी लोगों द्वारा फैलाये जा रहे झूठ को मानने के लिए तैयार नहीं थे। राज्यसभा में अंबेडकर के खिलाफउनकी टिप्पणी के बाद एनडीए के कुछ सहयोगी दलों ने अपना गुस्सा और खीझ जाहिर की थी। आरएसएस के शीर्ष नेताओं ने भी शाह की गैरजि मेदाराना बयानबाजी की आलोचना की थी। स्थिति को संभालने के लिए पहले कदम के तौर पर भाजपा नेतृत्व ने एनडीए की बैठक बुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले ही अमित शाह को आंध्र प्रदेश के मु यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और बिहार के मु यमंत्री नीतीश कुमार को अपने पक्ष में करने की सलाह दी थी।

एनडीए के सभी नेताओं में नीतीश कुमार सबसे आक्रामक थेए हालांकि शुरुआत में चिराग पासवान और जीतन राम मांझी भी काफी नाराज थे। पशुपति पारस के जाने के बाद एनडीए ने उन्हें पहले ही परेशान कर दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य नेताओं ने कांग्रेस पर निशाना साधा और कथित संवैधानिक उल्लंघन के लिए उसकी कड़ी आलोचना की। मोदी ने इंडिया ब्लॉक पार्टियों पर हमला करने से परहेज किया। उनका पूरा प्रयास संकट से बाहर निकलने का था। अमित शाह को कांग्रेस के हमले में गहरी साजिश नजर आयी। शाह ने कहा कि कांग्रेस शुरू में चुप रहीए लेकिन फिर राजनीतिक बयानबाजी के लिए उनके बयानों को संपादित और गलत तरीके से पेश किया।

शाह ने आगे आरोप लगाया कि इन दावों को दुर्भावनापूर्ण तरीके से बढ़ाने के लिए एक टूलकिट का इस्तेमाल किया गया था। शाह को सफेद झूठ बोलते देखना चौंकाने वाला था। फिर भीए शाहए जो कुछ समय से नीतीश के साथ सहज हैंए ने उन्हें हटाने के लिए मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य का उपयोग करने का फैसला किया। जिस दिन एनडीए कांग्रेस का मुकाबला करने के लिए अपनी रणनीति बनाने के लिए बैठक कर रहा थाए उसी दिन मोदी.शाह की जोड़ी ने केरल के राज्यपाल आरिफ मोह मद खान को बिहार भेज दिया। संयोग सेए आरिफ के तबादले पर नीतीश से चर्चा नहीं की गयी थी। यह रात ग्यारह बजे के बाद हुआ।

स्थानांतरण का अपना महत्व है। नीतीश और आरिफ दोनों ही वीपी सिंह कैबिनेट के सदस्य थे। वे अच्छे दोस्त हैं। अमित शाह को यकीन था कि नीतीश उनके कार्यभार संभालने पर आपत्ति नहीं करेंगे। इसका मु य कारण नीतीश को मुसलमानों का अपमान करने का कोई मौका नहीं देना था। अंबेडकर प्रकरण के बाद नीतीश कुमार ने अपनी भावनाओं से अवगत कराया था कि उन्हें अमित शाह द्वारा दलितों की भावनाओं का अपमान करना पसंद नहीं है।

वे पहले से ही मुसलमानों का अपमान करने और उन पर आरोप लगाने के लिए मोदी और शाह से नाराज थे। नीतीश कुमार ने 23 दिसंबर को मोतिहारी से शुरू की गयी अपनी प्रगति यात्रा के दौरान बाबा साहेब अंबेडकर की तस्वीर के सामने सिर झुकाया और उनके विचारों और आदर्शों की सफलता के लिए काम करने की कसम खाई। जेडी;यूद्ध के कुछ वरिष्ठ नेताओं के अनुसारए यह मोदी.शाह को यह संदेश देने की कोशिश थी कि वह अंबेडकर पर उनकी राजनीतिक लाइन का समर्थन नहीं करते।

हालांकि अमित शाह उनके रवैये से चिढ़ते हैंए लेकिन मौजूदा राजनीतिक हालात में उनके पास नीतीश के रुख का सार्वजनिक रूप से समर्थन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं हैए लेकिन अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि उन्हें बाहर करने के लिए एक सुनियोजित योजना पर काम किया जा रहा है। बिहार में अमित शाह अपने महाराष्ट्र या मध्य प्रदेश के फॉर्मूले को नहीं दोहरायेंगे। इसके बजाय वह दलदल वाली रणनीति अपनायेंगे। जैसे जेडी;यूद्ध नेताओं का एक समूह उन्हें बताये बिना अपना नेता चुने और फिर उनके बाहर होने की घोषणा करे।

भाजपा के कुछ नेताओं के सार्वजनिक दावे के बावजूद कि बिहार एनडीए 2025 के विधानसभा चुनाव नीतीश के नेतृत्व में लड़ेगाए राष्ट्रीय नेताओंए खासकर अमित शाह ने संकेत दिया है कि उनकी पार्टी उचित समय पर फैसला करेगी। केंद्रीय मंत्री ललन सिंहए जिन्हें अमित शाह का करीबी माना जाता है और कार्यकारी अध्यक्ष संजय झाए जो शाह के मित्र हैंए को छोड़कर जेडी;यूद्ध के अधिकांश वरिष्ठ नेताओं को यह अच्छा नहीं लगा।

नीतीश कुमार द्वारा कुछ दिन पहले राज्य स्तरीय श्वैश्विक निवेश स मेलनश् का बहिष्कार करने से यह आशंका और बढ़ गयी है कि वे कोई अतिवादी कदम उठा सकते हैं। नाराज नीतीश कुमार ने 20 दिसंबर को राजगीर में मगध सम्राट जरासंध की एक प्रतिमा का अनावरण करने के लिए नालंदा जिले का अपना दौरा भी रद्द कर दिया। मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में भाजपा नीतीश कुमार से दुश्मनी मोल लेने की हि मत नहीं कर सकती। हालांकि अमित शाह की टिप्पणियों के बाद जेडी;यूद्ध और नीतीश दोनों ही घबरा गये हैं। नीतीश कुमार के बिना भाजपा चुनावी जंग जीतने की कल्पना भी नहीं कर सकती। 22 दिसंबर को नुकसान की भरपाई के उपाय के तौर पर राज्य भाजपा नेता और उपमु यमंत्री सम्राट चौधरी ने स्पष्ट रूप से कहा कि आगामी बिहार चुनाव एनडीए और मु यमंत्री के चेहरे के रूप में जेडी;यूद्ध प्रमुख नीतीश कुमार के साथ चुनाव लड़ा जायेगा। राष्ट्रीय भाजपा नेताओं को डर है कि उनकी योजना लागू होने से पहले ही विफल हो जायेगी। नीतीश कुमार जहां 2025 के मध्य में चुनाव कराने पर विचार कर रहे हैंए वहीं भाजपा नेता अक्टूबर.नवंबर में होने वाली नियत तिथि पर अड़े हुए हैं। दरअसल नीतीश कुमार को भाजपा की योजना के बारे में पता चल गया है और वह निश्चित रूप से उन्हें माफ नहीं करना चाहेंगे। सूत्रों का कहना है कि वह भाजपा नेताओं की विश्वासघाती योजनाओं से पहले से ही वाकिफहैंए यही वजह है कि वह चुनाव समय से पहले कराना पसंद करेंगे। लेकिन उन्हें नये राज्यपाल आरिफ मोह मद खान की भूमिका पर भी संदेह है।

इस बीचए सूत्रों का कहना है कि उन्होंने चुनौतियों से पार पाने के लिए बैक चैनल खोल दिये हैं। राजद के कुछ नेताओं का मानना है कि लालू यादव नीतीश कुमार को समर्थन देने को तैयार हैंए लेकिन एक शर्त के साथरू उनके बेटे और पूर्व उपमु यमंत्री तेजस्वी यादव को मु यमंत्री बनाया जायेगा। हालांकिए कुछ विपक्षी नेता इसे बेतुका मानते हैं और वे पहले स्थिति को संभालने और भाजपा की योजना को विफल करने के पक्ष में हैं। विवाद की शुरुआत जेडी;यूद्ध में दूसरे नंबर के नेता माने जाने वाले संजय झा द्वारा आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल को लिखे गये पत्र से हुई। एक सांसद के तौर पर झा किसी भी राजनीतिक दल के अध्यक्ष को पत्र लिख सकते हैंए लेकिन उन्हें यह समझना चाहिए था कि वे केजरीवाल द्वारा नीतीश कुमार को लिखे गये पत्र का जवाब दे रहे हैं। अपने जवाब में वे केजरीवाल के प्रति काफी कठोर थे। सवाल उठता है कि क्या वे व्यंग्यात्मक और तिरस्कारपूर्ण हो सकते हैंघ् क्या पत्र की विषय.वस्तु पर नीतीश कुमार की सहमति थीघ् बेशक झा की नीतीश के प्रति निष्ठा और समर्पण उन्हें दूसरों से अलग करता है।

उल्लेखनीय है कि 19 दिसंबर को आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू को पत्र लिखकर उनसे पूर्व कानून और न्याय मंत्री बीआर अंबेडकर के बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कथित विवादास्पद बयान के प्रभाव पर विचार करने का आग्रह किया। 20 दिसंबर को झा ने उन पर हमला कियारू जब नीतीश कुमार ने सीएम पद से इस्तीफा दियाए तो उन्होंने एक महादलित ;जीतन राम मांझीद्ध को मु यमंत्री बनाया। दिल्ली मेंए उन्होंने इस्तीफा देने के बाद या पंजाब में दलित मु यमंत्री क्यों नहीं बनायाघ

एक्स सोशल मीडिया पोस्ट में झा ने लिखाए श्माननीय अरविंद केजरीवाल सरए मैंने बिहार के माननीय मु यमंत्री नीतीश कुमार को लिखा आपका पत्र पढ़ा। मैं आपकी असली पीड़ा समझ सकता हूं। आपकी पीड़ा यह है कि उस दिन सदन में माननीय गृह मंत्री अमित शाह आपके गठबंधन के नेताए उनकी पार्टी और उनके परिवार की पोल खोल रहे थेण्ण्कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं ने बाबा साहेब के साथ जो दुर्व्यवहार कियाए वह अक्ष य है... हमारे नेताए बिहार के माननीय मु यमंत्री नीतीश कुमार जी ने बाबा साहेब के पदचिन्हों पर चलते हुए बिहार में दलितों और पिछड़ों के लिए जो किया हैए आप और आपके गठबंधन के नेता उसकी कल्पना भी नहीं कर सकते। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप अपने पूर्वाग्रहों को त्यागें और देश की प्रगति के बारे में सकारात्मक सोचें।श

इसी व्यंग्यात्मक पत्र ने नीतीश के करीबियों को सचेत कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक गलियारों में तरह.तरह के झूठे प्रचार किये जा रहे हैंए जैसे कि उनकी तबीयत ठीक नहीं हैए उनका दिमाग ठीक से काम नहीं कर रहा है। झा दिवंगत भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली के करीबी सहयोगी हुआ करते थे। 2012 में अमित शाह की पहल पर उन्हें जेडीयू में शामिल किया गया था। कहा जाता है कि अमित शाह के सुझाव पर ही उन्हें जेडीयू का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था। नीतीश कुमार ने उन्हें 2019 में एमएलसी बनाया और बिहार कैबिनेट में शामिल किया।

अंधभक्त होने की शर्त पूरा करते लोग

सर्वमित्रा सुरजन

क्रिसमस की खुशियां मनाते लोगों के लिए नफरत का इज़हार सोशल मीडिया पर भी देखा गया। महेन्द्र सिंह धोनी सांता के वेष में दिखे और उनके साथ उनका परिवार भी थाए तो लोगों ने इस पर तंज कसे। राज्यसभा सांसद सागरिका घोष ने क्रिसमस ट्री के पास खड़े होकर अपनी तस्वीर डाली और इस त्योहार की बधाई दी

25 दिस बर को पटना में अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर एनडीए सरकार ने मैं अटल रहूंगा कार्यक्रम रखा। इसमें लोक गायिका देवी ने जैसे ही गांधी जी के प्रिय भजन श्श्रघुपति राघव राजा रामश्श् गायाए सामने बैठे भाजपा नेताओं ने हंगामा शुरु कर दिया। नौबत ऐसी आ गई कि लोक गायिका को गांधी जी का भजन गाने के लिए माफी मंगवाई गई। ये घटना एक बानगी है कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किस किस्म के भारत का निर्माण हो चुका है। वैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद क्रिसमस के मौके पर दिल्ली में स्थित कैथोलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया के मु यालय में पहुंचे थेए जहां उन्होंने शांति और सद्भाव की मन को लगने वाली अच्छी.अच्छी बातें कहीं। जर्मनी में हाल ही में क्रिसमस बाजार में हुए हमले की निंदा और श्रीलंका में पांच साल पहले 2019 में ईस्टर के मौके पर हुए बम विस्फोटों का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने अपने नारे श्सबका साथ सबका विकासश् के नारे को ईसाई समुदाय की शिक्षाओं से जोड़ने की कोशिश की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहाए श्बाइबल कहती हैए एक.दूसरे का सहारा बनो। यीशु मसीह ने दया और निस्वार्थ सेवा का उदाहरण दिया है। हम क्रिसमस इसलिए मनाते हैं ताकि इन शिक्षाओं को अपने जीवन में उतार सकें।श् इस बार भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा समेत कई और भाजपा नेता क्रिसमस के दिन चर्च गए और ईसाई समुदाय को बड़े दिन की शुभकामनाएं दीं। इधर 19 दिस बर को संघ प्रमुख मोहन भागवत ने पुणे में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि श्राम मंदिर के साथ हिंदुओं की श्रद्धा है लेकिन राम मंदिर निर्माण के बाद कुछ लोगों को लगता है कि वो नई जगहों पर इसी तरह के मुद्दों को उठाकर हिंदुओं का नेता बन सकते हैं। ये स्वीकार्य नहीं है।श् जिस वक्त देश में हर मस्जिद के नीचे एक मंदिर तलाशने की कोशिश की जा रही हैए और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद खुदाई का कार्य किया जा रहा है। उस समय श्री भागवत के बयान का यह निहितार्थ निकाला गया कि संघ प्रमुख इशारों में फिर से नरेन्द्र मोदी को नसीहत दे रहे हैं कि उनके शासन में सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने वाले ये प्रकरण संघ को ठीक नहीं लग रहे हैं। हालांकि अब संघ के मुखपत्र आर्गनाइजर का जो संपादकीय आया हैए उसमें फिर यह बात स्थापित हो गई कि संघ जिन उद्देश्यों के साथ सौ साल पहले अस्तित्व में आया थाए वह अब भी उन्हीं पर कायम है। इस संपादकीय में लिखा है कि श्स यतागत न्याय की खोज के बारे में बात करने का वक्त आ गया है। बाबा साहेब अंबेडकर ने जाति आधारित भेदभाव की असली वजह को समझा और इसे खत्म करने के लिए कुछ संवैधानिक उपाय हमारे सामने रखे। हमें धार्मिक झगड़ों को समाप्त करने के लिए इसी तरह के दृष्टिकोण की जरूरत है।श् संपादकीय में तर्क दिया गया है कि यह तभी संभव है जब मुस्लिम समुदाय सत्य को स्वीकार करे और अगर यह समुदाय इससे इनकार करता है तो इससे अलगाववाद को बढ़ावा मिलेगा। आर्गनाइजर लिखता है .भारत के मुस्लिम समुदाय के लिए यह जरूरी है कि वह आक्रांताओं द्वारा हिंदुओं के साथ किए गए श्ऐतिहासिक अन्यायश् को स्वीकार करे। सोमनाथ से लेकर संभल और इसके आगे तक सच को जानने की यह लड़ाई धार्मिक श्रेष्ठता के बारे में नहीं है। यह हमारी राष्ट्रीय पहचान को साबित करने और श्स यतागत न्यायश् के बारे में है। इधर विश्व हिंदू परिषद के एक नेता सुरेंद्र जैन ने एक टीवी चैनल से चर्चा में कहा कि श्1984 में भारत के संतों ने मुस्लिम समाज को बहुत अच्छा ऑफर दिया था कि आप हमें केवल तीन दे दीजिएए अयोध्याए मथुरा और काशीण् हम लाखों को भूल जाएंगे। आज की परिस्थिति जो बनी है उसके लिए मुस्लिम नेतृत्व जि मेदार है। अयोध्या हमने लिया है वो लड़कर लिया है। यदि मुस्लिम उस समय आगे आए होते तो ये तीनों स्थान हमारे होतेए ये विषय ही नहीं आता है। नरेन्द्र मोदी और मोहन भागवत ने जो बयान दिए हैंए उनमें और उपरोक्त बातों में कोई तालमेल नजर नहीं आता। लेकिन फिलहाल यही देश की हकीकत है कि शीर्ष पर बैठे लोग प्रेम और सद्भाव का ज्ञान दे रहे हैं और उनके अधीनस्थ या निर्देशन में काम कर रहे लोग नफरत को बढ़ाने में लगे हैं। मुसलमानों को मीठी जुबान में धमकी दी जा रही है कि हमें मस्जिदों को तोड़कर मंदिरों की तलाश करने दो। हालांकि वास्तव में यह धमकी देश के संविधान और न्याय व्यवस्था को दी जा रही है कि बाबरी मस्जिद जैसी घटनाएं देश में बार.बार होंगी और हिंदुत्व के ठेकेदारों को तब तक कोई रोक नहीं पाएगाए जब तक संघ और भाजपा की सरपरस्ती में देश चलेगा। जब इंडिया गठबंधन सामाजिक न्याय के मुद्दे को राजनीति की मु यधारा में लाने की कोशिश में हैए तब संघ स यतागत न्याय का नया शिगूफा छोड़ चुका है।

क्रिसमस के मौके पर देश में कई स्थानों पर ऐसी घटनाएं हुईए जो मोदी और भागवत के बयानों के ठीक विपरीत हैं। इंदौर में जोमैटो कंपनी के एक कर्मचारी को हिंदू संगठन के लोगों ने बीच सड़क पर रोककर उसकी सांता क्लॉज की पोशाक उतरवाई और बाकायदा इसका वीडियो भी बनाया। उस कर्मचारी को ये गुंडा तत्व कह रहे हैं कि हिंदू त्योहारों तुम इसी तरह तैयार होकर क्यों नहीं जाते। राजस्थान में एक स्कूल में क्रिसमस कार्निवाल को लोगों ने बीच में रुकवा दियाए उन्हें आपत्ति थी कि ईसाइयों के त्योहार पर जश्न क्यों हो रहा है। उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक और शर्मनाक घटना को अंजाम दिया गया। यहां हजरतगंज में चर्च के बाहर ही युवाओं की भीड़ ने इकट्ठा होकर हरे रामाए हरे कृष्णा जोर.जोर से गाया। इस घटना के वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि ईसाइयों की प्रार्थना में खलल पहुंचाकर ये युवा काफी प्रसन्नता महसूस कर रहे थे। क्रिसमस की खुशियां मनाते लोगों के लिए नफरत का इज़हार सोशल मीडिया पर भी देखा गया। महेन्द्र सिंह धोनी सांता के वेष में दिखे और उनके साथ उनका परिवार भी थाए तो लोगों ने इस पर तंज कसे। राज्यसभा सांसद सागरिका घोष ने क्रिसमस ट्री के पास खड़े होकर अपनी तस्वीर डाली और इस त्योहार की बधाई दीए तो उस पर सवाल उठाए जा रहे हैं कि जब मुसलमान और ईसाई हिंदू त्योहारों की बधाई नहीं देतेए तो इनके त्योहार पर बधाई क्यों दी जा रही है। भारतीय संस्कृति और स यता से पूरी तरह अनजान या बेहद मूर्ख किस्म के लोग ही इस तरह की बातें कर सकते हैं। दुख इस बात का है कि इस मूर्खता का अब जश्न मनाया जा रहा है।

परसाईजी ने कहा ही था कि अंधभक्त होने के लिए प्रचंड मूर्ख होना अनिवार्य शर्त है। श्री मोदी के बनाए न्यू इंडिया में यह शर्त पूरी होते नजर आ रही है। युवाओं को खास तौर पर इसी काम में लगा दिया गया है ताकि उन्हें न अपने रोजगार की चिंता रहेए न पेपर लीक या परीक्षा में धांधलियों की फिक्र होए न उन्हें ये समझ आए कि उनके अभिभावक इस महंगाई में घर किस तरह चला रहे हैं।

विविध समाचार

पंजाब में आतंकी साजिश नाकाम, 4 हैंड ग्रेनेड और 2 किलो आरडीएक्स समेत आरोपी गिरफ्तार

चंडीगढ़ २८/१२ (संवाददाता): पंजाब पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आतंक और संगठित अपराध के खिलाफ सख्ती दिखाई है। पंजाब पुलिस के डीजीपी ने बताया कि बटाला पुलिस ने एक आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने बटाला के बलपुरा गांव से 4 हैंड ग्रेनेड, 2 किलो आरडीएक्स से बना आईईडी और कम्युनिकेशन उपकरण बरामद किए हैं। शुरुआती जांच में खुलासा हुआ है कि यह खेप यूके में बैठे बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के आतंकी निशान सिंह उर्फ निशान जोडिया के निर्देश पर रखी गई थी। बताया जा रहा है कि वह पाकिस्तान में बैठे आतंकी हरविंदर सिंह रिंदा के कहने

पर काम कर रहा था, जिसे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का संरक्षण प्राप्त है। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि दूसरा फरार है। पुलिस उसकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। डीजीपी ने कहा कि जांच जारी है और इस पूरे सीमा पार आतंकी षड्यंत्र का पर्दाफाश किया जाएगा। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने 'एक्स' पोस्ट में बताया, "बटाला पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, बटाला के बलपुरा गांव से 4 हथगोले (एसपीएल एचजीआर–84), 1 आरडीएक्स–आधारित आईईडी (2 किलो), और संचार उपकरण बरामद करके एक आतंकी मॉड्यूल को नाकाम कर दिया। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह खेप ब्रिटेन स्थित बीकेआई आतंकवादी निशान सिंह उर्फ घ्घनिशान जोडिया के निर्देश पर रखी गई थी, जो पाकिस्तान स्थित आतंकवादी हरविंदर सिंह रिंदा के निर्देशों पर काम कर रहा था, रिंदा को पाकिस्तान की आईएसआई का समर्थन प्राप्त है।"

डीजीपी ने आगे बताया कि एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि दूसरा फरार है, और उसे पकड़ने के प्रयास जारी हैं। पंजाब पुलिस आतंकी मॉड्यूल को बेअसर करने और पंजाब में शांति एवं सद्भाव सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे पहले, डीजीपी ने एक अन्य बड़ी सफलता की जानकारी देते हुए बताया कि बरनाला पुलिस ने देविंदर बंबीहा गैंग के चार सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सतनाम सिंह उर्फ सत्ती, गुरप्रीत उर्फ गुरी, सर्म सिंह उर्फ रिंकू और दीपक सिंह के रूप में हुई है। ये सभी एक बड़ी लूट की साजिश रच रहे थे। पुलिस के अनुसार, एक ऑपरेशन के दौरान जब पुलिस पार्टी ने आरोपियों को रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। लेकिन पुलिसकर्मियों ने साहस दिखाते हुए न केवल हमलावरों को काबू किया बल्कि उन्हें वाहन समेत गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से हथियार भी बरामद किए गए हैं।

दर्दनाक हादसा : हिसार–चंडीगढ़ एनएच पर हरियाणा रोडवेज बस और पिकअप की टक्कर, 4 की मौत–7 घायल

कैथल २८/१२ (संवाददाता): हिसार–चंडीगढ़ नेशनल हाईवे पर गांव क्योड़क के पास सोमवार सुबह करीब सात बजे हरियाणा रोडवेज हिसार डिपो की बस और पिकअप गाड़ी की टक्कर हो गई। हादसे में चार बुजुर्ग श्रद्धालुओं की मौके पर मौत हो गई, जबकि सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।घायलों को एंबुलेंस की मदद से शहर के निजी शाह अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों के शव जिला नागरिक अस्पताल भेजे गए हैं। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस और क्योड़क चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। मृतकों की पहचान फरीदकोट (पंजाब) के गांव रामेआला निवासी नरेंद्र कुमार (62), हकीकत सिंह (57), काकू सिंह (67) और मक्खन सिंह (60) के रूप में हुई है। घायलों की जानकारी जुटाई जा रही है। गांव रामेआला निवासी ये सभी लोग रविवार शाम कैथल पहुंचे थे और मंजी साहिब गुरुद्वारा (कमेटी चौक) में रुके थे।

सोमवार सुबह सवा छह बजे वे पिहोवा गुरुद्वारा में धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पिकअप गाड़ी में रवाना हुए। गांव क्योड़क के नजदीक हाईवे पर बस चालक ने तेज गति और लापरवाही से गाड़ी में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप गाड़ी सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। हादसे में चार बुजुर्ग श्रद्धालुओं की मौत हो गई और सात लोग घायल हो गए।

शौक के लिए क्राइम की दुनिया में नहीं आया था अमन साहू, एक बार पुलिस को बताई थी असली वजह

धनबाद २८/१२ (संवाददाता):गैंगस्टर अमन साहू रांची से सटे ठकुरगांव के मतबे का रहनेवाला एक सीधा.साधा लड़का था। उसने 17 साल की उम्र में अपराध की दुनिया में कदम रखा और देखते ही देखते झारखंड पुलिस को परेशान करने लगा। जानकारों की मानें तो शुरुआती दिनों में अमन किसी से झगड़ा लड़ाई तक नहीं करता थाए लेकिन मैट्रिक तक जाते.जाते उसकी संगत बिगड़ गई। उसी दौरान उसे पहली बार एक केस में जेल जाना पड़ा था। उसे करीब 10 महीने तक जेल में रहना पड़ा था।उसके बाद अमन ने आगे की पढ़ाई पूरी की। अच्छे नंबरों से इंटर पास कियाए फिर डिप्लोमा किया। इसके बाद उसने मोबाइल की दुकान खोली थी। फिर वह धीरे.धीरे अपराधियों के संपर्क में आता

गया और उसकी धाक बढ़ने लगी। एक दिन ऐसा भी आया जब अमन ने हत्या की वारदात को अंजाम देना शुरू कर दिया था। वह अपने साथ पढ़े.लिखे हाईटेक युवाओं को पैसे का लालच देकर जोड़ता था।

इस बीच पुलिस ने अमन को पहली बार 2019 में गिरफ़्तार किया था। हालांकिए वह पुलिस की गिरफ़्त से भाग निकलने में सफल रहा था। फिर किसी तरह तीन साल बाद 2022 में पुलिस की गिरफ़्त में आया। करीब 15 वर्षों तक अमन गैंग ने राज्य के कोयला कारोबारियों की नाक में दम कर रखा था। उसके गैंग के निशाने पर धनबाद, बोकारो, गिरिडीह, पलामू, चतरा, लातेहार, रांची, रामगढ़ सहित कई जिलों के कारोबारी और ठेकेदार रहे। उनसे फोन कर रंगदारी मांगी जाती थी और रंगदारी की रकम नहीं देने पर हत्या तक करने से गैंग पीछे नहीं हटता था। अमन जेल से ही अपना आपराधिक नेटवर्क चलाता था। वर्ष 2022 में जब वह गिरिडीह जेल में बंद थाए उस दौरान उसने जेलर प्रमोद कुमार को मारने के लिए जेल में ही बंद दो अपराधियों को सुपारी दे दी थी। इसके लिए पहले दोनों का बेल कराया। जेल से बाहर आने के बाद युवकों ने जेलर पर फायरिंग कर दी थी। हालांकिए उस घटना में जेलर बाल.बाल बच गए थे। बाद में अमन को गिरिडीह से पलामू सेंट्रल जेल शिफ़्ट कर दिया गयाए लेकिन वहां से भी वह अपने नेटवर्क के जरिए आपराधिक गतिविधियां बढ़ाता रहा। उसका नाम अंडरवर्ल्ड डॉन लॉरेंस से भी जुड़ा। जानकारों की मानें तो अमन खुद पलामू पुलिस की पूछताछ में बोल चुका था कि वह शौक से अपराध की दुनिया में आया है। वह एक बड़ा डॉन बनना चाहता है। उसकी चाहत थी कि देश में सबसे अधिक केस उस पर हों ताकि देश ही नहींए विदेश में भी लोग उसे जान सकें। अब अमन की मौत के बाद कोयलांचल के कारोबारी राहत की सांस ले रहे हैं।

गैंगस्टर अमन साहू का एनकाउंटर ज़्यों करना पड़ा? एसपी ने बताया पूरा सच

पलामू २८/१२ (संवाददाता):गैंगस्टर अमन साहू का एनकाउंटर ज़्यों करना पड़ा। इसे लेकर पलामू के एसपी रिष्मा रमेशन ने एक.एक बात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एटीएस की टीम गैंगस्टर अमन साहू को रायपुर से रांची लेकर जा रही थी। इस दौरान अंधारी ढोडा के पास अमन साहू गिरोह के सदस्यों ने उसको छुड़ाने के मकसद से वाहन पर सुतली बम से हमला कर दिया।

गैंगस्टर अमन साहू को मुठभेड़ में मार गिराने वाली टीम को इंस्पेक्टर प्रमोद सिंह लीड कर रहे थे । जिसमें वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। इस दौरान अमन साहू ने एटीएस जवान से इंसास राइफ्ल छीनकर भागने का प्रयास किया। उसकों सरेंडर करने के लिए कहने पर अमन साहू ने फायरिंग शुरू कर दी। जिसमें एटीएस के हवलदार राकेश कुमार के जांघ में गोली लग गई। जिसमें वह घायल हो गए।

उसके बाद जवाबी फायरिंग में अमन साहू मारा गया। घटनास्थल से पुलिस ने दो जिंदा सुतली बम बरामद किया। घटना के बाद उसके सहयोगी भाग निकले। घायल हवलदार को मेदिनीराय मेडिकल कालेज अस्पताल भेजा गया हैए जहां उसकी स्थिति खतरे से बाहर है। गढ़वा से एफ्एसल की टीम घटनास्थल पर पहुंच रही है। उसके बाद एफ्एसल की टीम घटनास्थल पर जांच करेगी। उसके बाद उसके शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जाएगा। बताते चले कि गैंगस्टर अमन साहू पिछले तीन महीने से रायपुर के जेल में बंद था। रांची के बरियातू में कोयला कारोबारी पर हुए हमले और हजारीबाग में एनटीपीसी डीजीएम के मर्डर मामले में पूछताछ करने अमन साहू को रांची लाया जा रहा था। इस दौरान यह हादसा हुआ।

अमन साहू पिछली बार चुनाव लड़ने के लिए नामांकन पत्र भी खरीदा था बता दें कि झारखंड विधानसभा चुनाव में अमन साहू की ओर से बड़कागांव से चुनाव मैदान में उतरने के लिए नामांकन पत्र खरीदा गया था और हाई कोर्ट में एक याचिका दाखिल कर सजा पर रोक लगाने की मांग की गई थी। बता दें कि आर्ज़्स एज़्ट के केस में रामगढ़ की निचली कोर्ट ने अमन साहू को मई 2018 में छह साल की सजा सुनाई थी। इस मामले में रामगढ़ के पतरातू थाना में प्राथमिकी की गई थी।

नो व्हीकल जोन का प्रयास बेहतर, बकरी बाजार में अस्थाई पार्किंग से 100 वर्ष पुराना बाजार बचेगा

रांची २८/१२ (संवाददाता): अपर बाजार स्थित बकरी बाजार की चार एकड़ जमीन पर नगर निगम का कबाड़ भरा है। बकरी बाजार मैदान में एक ओर कंडम सिटी बसेए टैंकर और अन्य वाहन भरे हैंए तो दूसरी ओर शव जलाने के लिए लाए गए जलावन को डंप कर रखा गया है। यहां खड़े वाहनों के पार्टस दिन व दिन चोरी हो रहे हैंए लेकिन निगम इसे कबाड़ घोषित

कर नहीं बेच रहा है। इस वजह से पूरा मैदान भरा है।

इस कबाड़ को बकरी बाजार से हटा दिया जाए तो यहां अस्थाई वाहन पार्किंग की व्यवस्था हो जाएगी। इससे पूरे अपर बाजार क्षेत्र में वाहन लगाने की समस्या दूर हो जाएगी। व्यापारियों के साथ ग्राहकों को भी काफी फायदा होगा।अपर बाजार के व्यापारी भी यही चाहते हैं।

गुरुवार को दीनबंधु लेन मर्चेंट एसोसिएशन और चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों ने लोहिया धर्मशाला में पत्रकारों से बात करते हुए सोनार पट्टी व रंगरेज गली को नो व्हीकल जोन घोषित करने के लिए निगम.प्रशासन व ट्रैफिक पुलिस का आभार जताया। एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश मोर व सचिव राजेश कौशिक ने कहा कि ग्राहकों की सुविधा के लिए वेंडर मार्केट का बेसमेंटए यूनिवर्सिटी के बगल में पेपर मार्केट के सामनेए सेवा सदन हॉस्पिटल के सामने वाहन पार्किंग की व्यवस्था की गई है। बकरी बाजार व बाजारटांड़ में भी अस्थायी पार्किंग बन जाएए तो व्यापारियों व ग्राहकों को बड़ी राहत मिलेगी।

पंजाब में गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी

लुधियाना २८/१२ (संवाददाता): शहर में गुरु ग्रंथ साहिब जी के समक्ष बेअदबी की घटना सामने आई है। जहां एक महिला ने गुरुद्वारा साहिब में कपड़े उतारकर उन्हें आगे फेंक दिया। महिला की इस हरकत को देखते हुए संगत ने मौके पर जाकर महिला को काबू किया। महिला ने यह हरकत अपने पति के सामने की। वारिस पंजाब दे के सदस्य जसवंत सिंह चीमा की शिकायत पर थाना साहनेवाल की पुलिस ने आरोपी महिला प्रकाश कौर, निवासी गांव जुगियाणा के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

मणिमहेश यात्रा में ऑक्सीजन की कमी के कारण पंजाब के 3 युवकों की मौत, लैंडस्लाइड से कई यात्री फंसे

चंडीगढ़। हिमाचल प्रदेश के मणिमहेश की यात्रा के लिए जा रहे तीन श्रद्धालुओं की मौत की खबर सामने आ रही है। जानकारी के अनुसार ये तीनों युवक पंजाब के रहने वाले थे। तीनों श्रद्धालुओं की जान मणिमहेश यात्रा के दौरान ऑक्सीजन की कमी से गई है। इनके शव पोस्टमॉर्टम के लिए भरमौर लाया जा रहा है। मृतकों की पहचान पंजाब के पठानकोट के 18 वर्षीय अमन, रोहित (18) और गुरुदासपुर के अनमोल (26) के तौर पर हुई है। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, अमन को बीती रात को कमल कुंड से रेस्क्यू किया गया और गौरीकुंड में मौत हो गई, जबकि रोहित की मौत कुगती ट्रैक पर ऑक्सीजन की कमी से हुई है। जानकारी देते हुए एसडीएम भरमौर ने बताया कि पिछले 24 घंटों से लगातार हो रही बारिश के कारण मणिमहेश यात्रा पर अस्थाई रोक लगा दी गई है। श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थानों पर रुकने के निर्देश दिए गए हैं।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार | राउरकेला, सोमवार 29 दिसंबर 2025 | पृष्ठ-6

गंजम में ओलिव रिडले कछुओं की माइग्रेशन ट्रैकिंग के लिए जीपीएस टैगिंग

गंजम २८/१२ (संवाददाता): गंजम ज़िले के पोडामपेटा में ऋषिकुल्या नदी के मुहाने के पास दो ऑलिव रिडले समुद्री कछुओं में जीपीएस सैटेलाइट ट्रांसमीटर लगाए गए हैं, जो समुद्र में उनकी आवाजाही और माइग्रेशन के रास्तों को ट्रैक करने में एक अहम कदम है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, टैग किए गए दो कछुओं में से एक नर और दूसरा मादा है। सैटेलाइट ट्रैकिंग से रिसर्चर्स को कछुओं के मूल स्थान का पता लगाने और ओडिशा तट पर पहुंचने से पहले उनके समुद्री यात्रा के पैटर्न को समझने में मदद मिलेगी। टैगिंग की प्रक्रिया के बाद, दोनों कछुओं को सुरक्षित रूप से समुद्र में छोड़ दिया गया।

पिछले सालों के उलट, जब जीपीएस टैगिंग मुज़्य रूप से घोंसला बनाने (अंडे देने) के समय की जाती थी, इस बार टैगिंग मेटिंग के समय की गई है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इससे खुले पानी में रहते समय कछुओं के व्यवहार और आवाजाही के बारे में ज़्यादा डिटेल में जानकारी मिलेगी। प्रधान मुज़्य वन संरक्षक प्रेम कुमार झा ने कहा, एक नर और एक मादा ऑलिव रिडले कछुओं को जीपीएस सैटेलाइट ट्रांसमीटर से टैग किया गया और उन्हें समुद्र में छोड़ दिया गया। इस तरह हम अगले एक साल तक उनकी गतिविधियों को ट्रैक कर सकते हैं। इससे उनके संरक्षण में हमें मदद मिलेगी। इस स्टडी के लिए इस्तेमाल किए गए जीपीएस सैटेलाइट ट्रांसमीटर न्यूज़ीलैंड से इज़्पोर्ट किए गए थे। टैगिंग ऑपरेशन भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII), देहरादून की तीन सदस्यों वाली एज़्सपर्ट टीम ने किया। बेरहामपुर डिविज़नल फॉरेस्ट ऑफिसर सनी खोखर ने कहा कि इस पहल का मुज़्य मकसद खुले समुद्र में ऑलिव रिडले कछुओं के माइग्रेशन के रास्तों और व्यवहार के पैटर्न का गहराई से अध्ययन करना है। उज़्मीद है कि इकट्ठा किया गया डेटा इस लुप्तप्राय समुद्री प्रजाति की सुरक्षा के लिए ज़्यादा असरदार संरक्षण रणनीतियाँ बनाने में अहम भूमिका निभाएगा।

बेरहामपुर DFO सनी खोखर ने कहा, जीपीएस सैटेलाइट ट्रांसमीटर की मदद से ऑलिव रिडले कछुओं की आवाजाही के पैटर्न को ट्रैक किया जा सकता है। हमने इस साल नर और मादा दोनों कछुओं को ट्रांसमीटर से टैग किया है। इस साल जनवरी और फरवरी के दौरान, गंजम ज़िले में ऋषिकुल्या नदी के मुहाने पर रिकॉर्ड 6,98,718 ऑलिव रिडले समुद्री कछुओं ने अंडे दिए। पर्यावरणविदों और वन विभाग के अधिकारियों को उज़्मीद है कि आने वाले सीज़न में सामूहिक घोंसला बनाने के लिए और भी ज़्यादा संज़्या में कछुए आएंगे। घोंसला बनाने के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने के लिए, तटीय जल में कड़ी पेट्रोलिंग की जा रही है, जबकि कई स्वयंसेवी संगठन समुद्र तट को प्लास्टिक मुक्त और कछुओं के घोंसला बनाने के लिए अनुकूल बनाने के लिए समुद्र तट की सफाई अभियान चला रहे हैं। गंजम टर्टल प्रोटेज़्शन कमेटी के चेयरमैन, रबींद्र नाथ साहू ने कहा, ओलिव रिडले कछुओं का मेटिंग सीज़न अभी चल रहा है। इसके बाद वे बड़े पैमाने पर घोंसला बनाएंगे। उनकी हरकतों पर नज़र रखने के लिए ट्रांसमीटर लगाए गए हैं। वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीनियर प्रोजेज़्ट एसोसिएट मोहित ने कहा, हमने ओलिव रिडले कछुओं की आवाजाही और इकट्ठा होने के बारे में जानकारी पाने के लिए एडवांस्ड टेज़्नोलॉजी वाले नए जीपीएस सैटेलाइट ट्रांसमीटर का इस्तेमाल किया है।

इस्पात नगरी का चमकता सितारा धावक सुमित सिंह का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज

राउरकेला २८/१२ (संवाददाता): इस्पात नगरी राउरकेला के सुप्रसिद्ध धावक सुमित सिंह ने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराकर राज्य को गौरवान्वित किया है। सुमित सिंह ने मैनुअल ट्रेडमिल पर लगातार 48 घंटे दौड़कर 201.5 किलोमीटर की विशेष दूरी तय करते हुए नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया। सेल, राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) के सहयोग से सुमित सिंह ने 13 दिसंबर 2025 को सायं 6ः00 बजे राउरकेला के सिविक सेंटर में इस कठिन चुनौती की शुरुआत की। इस रिकॉर्ड प्रयास के दौरान प्रति घंटे 5 मिनट का विश्राम अनुमन्य था, जिसने उनकी सहनशक्ति और दृढ़ संकल्प की कड़ी परीक्षा ली। आगामी विशाल अर्ध मैराथन के लिए आरएसपी के ब्रांड एंबेसडर के रूप में, सुमित सिंह का यह रिकॉर्ड प्रयास, स्वस्थ जीवनशैली और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से भी किया गया।

पूर्व में निदेशक प्रभारी (आरएसपी) सह अतिरिक्त प्रभार निदेशक प्रभारी (बोकारो इस्पात संयंत्र), श्री आलोक वर्मा ने अपनी शिष्टाचार भेंट के दौरान अपने कार्यालय में इस प्रज़्यात धावक से भेंट की थी । धावक की इस पहल की सराहना करते हुए निदेशक प्रभारी ने उन्हें सफलता के लिए शुभकामनाएँ दी थीं ।कार्यपालक निदेशक (संकार्य), आरएसपी, श्री बिस्वरंजन पलई ने इस ऐतिहासिक प्रयास को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया तथा धावक का उत्साहवर्धन किया।

15 दिसंबर 2025 को सायं 6.00 बजे सुमित सिंह ने सफलतापूर्वक 48 घंटे की दौड़ पूरी की, जिसे देखने और सराहने के लिए बड़ी संज़्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर माननीय विधायक, राउरकेला, श्री शारदा प्रसाद नायक, दीपिका महिला संघति की उपाध्यक्षाएँ, श्रीमती प्रभाती मिश्र, डॉ. (श्रीमती) प्रतिज्ञा पलई, श्रीमती रीता रानी तथा श्रीमती नबनीता पाल चौधरी के साथ आरएसपी के वरिष्ठ अधिकारी एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे। उपस्थित गणमान्यों ने सुमित सिंह की इस विश्व रिकॉर्ड उपलज़्धि के लिए बधाई दी तथा उनके भावी प्रयासों के लिए शुभकामनाएँ प्रदान कीं।

डिजिटल फसल सर्वेक्षण और रजिस्ट्री के लिए केंद्र से 155 करोड़ रुपये की राशि मिलेगी

भुवनेश्वर २८/१२ (संवाददाता): अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि ओडिशा सरकार को डिजिटल फसल सर्वे और किसानों की रजिस्ट्री को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए केंद्र से 155 करोड़ रुपये का इंसेंटिव मिलेगा। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने स्पेशल सेंट्रल असिस्टेंस (SC) के तहत राज्य के प्रस्तावों का औपचारिक रूप से मूल्यांकन और मंजूरी दे दी है, जिससे ओडिशा को एग्रीस्टैक के दोनों हिस्सों के लिए इंसेंटिव के लिए योग्य घोषित किया गया है। एग्रीस्टैक खेती के लिए एक डिजिटल पज़िलक इंफ्रास्ट्रक्चर पहल है। एक अधिकारी ने कहा, केंद्र डिजिटल फसल सर्वे (ष्ठष्टस्) को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए 100 करोड़ रुपये और किसानों की रजिस्ट्री (स्नक्र) का पहला माइलस्टोन हासिल करने के लिए 55.48 करोड़ रुपये का इंसेंटिव देगा। उन्होंने कहा कि यह पहचान ओडिशा के नेशनल स्टैंडर्ड्स के साथ मज़बूती से पालन, समय पर कवरेज माइलस्टोन हासिल करने और बड़े पैमाने पर असरदार तरीके से काम करने को दिखाती है। एक और अधिकारी ने कहा कि किसानों की रजिस्ट्री किसानों का एक ऑथेंटिकेटेड, वेरिफाइड डेटाबेस देती है, जिससे PM-किसान, CM किसान, फसल बीमा वगैरह जैसी योजनाओं के लिए सही लाभार्थी की पहचान हो पाती है। उन्होंने कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे प्लॉट के हिसाब से बोई गई फसल की जानकारी देता है, जिससे राज्य को सही एरिया और प्रोडज़्शन का अनुमान, खरीद प्लान और टारगेटेड किसानों तक दूसरी स्कीम पहुंचाने में मदद मिलती है। डिप्टी चीफ मिनिस्टर कनक वर्धन सिंह देव ने कहा कि यह गर्व का पल है, जो ओडिशा के खेती को ज़्यादा ट्रांसपेरेंट, कुशल और खुशहाल बनाने के विज़न को दिखाता है। उन्होंने डिपार्टमेंट ऑफ़ एग्रीकल्चर एंड फार्मर्स एज़्पावरमेंट से इन टूल्स का इस्तेमाल करके राज्य की एग्रीकल्चरल इकॉनमी में ग्रोथ और सस्टेनेबिलिटी का एक नया चैप्टर लिखने की अपील की। एग्रीकल्चर एंड फार्मर्स एज़्पावरमेंट के प्रिंसिपल सेक्रेटरी अरबिंद कुमार पाधी ने कहा कि एग्रीस्टैक की मंजूरी डेटा-ड्रिवन खेती में क्रांति लाएगी, जिससे ट्रांसपेरेंसी, एफिशिएंसी और खुशहाली पक्की होगी। पाधी ने कहा, ओडिशा इन डिजिटल टूल्स के साथ ग्रोथ का एक नया चैप्टर लिखने के लिए तैयार है। चूंकि ओडिशा में खेती रोजी-रोटी, खरीद और इनपुट डिस्ट्रीज़्यूशन का सेंटर है, इसलिए स्नक्रऔर ष्ठष्टस् दोनों प्रोडज़्शन, खरीद और मार्केट में अनुमान-आधारित प्लानिंग से वेरिफाइड, प्लॉट-लेवल, सबूत-आधारित फैसले लेने में अहम भूमिका निभाएंगे।

मधुमज़्खियों के हमले से गई महिला की जान, इलाके में दहशत का माहौल

भुवनेश्वर २८/१२ (संवाददाता): गंजाम जिले में मधुमज़्खियों के झुंड के हमले में एक महिला की मौत हो गई। यह दर्दनाक घटना बेलागुंथ थाना क्षेत्र के गोपीनाथ साहि में हुई, जहां 45 वर्षीय झुनु पाल अपने घर के पीछे अमरूद के पेड़ से फल तोड़ रही थीं। इसी समय यह दर्दनाक घटना घटी।

सूत्रों के अनुसार, फल तोड़ते समय उन्होंने अनजाने में एक मधुमज़्खी के छज़े को हिला दिया, जिससे सैकड़ों मधुमज़्खियां अचानक बाहर निकल आईं और उन पर टूट पड़ीं।

बार-बार डंक लगने से झुनु मौके पर ही बेहोश हो गईं। परिवार के सदस्यों ने उन्हें तुरंत बेलागुंथ अस्पताल पहुंचाया, लेकिन हालत बिगड़ने पर उन्हें भंजनगर स्वास्थ्य केंद्र रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस असामान्य घटना से स्थानीय लोग सदमे में हैं और आवासीय क्षेत्रों में बड़े, बिना निगरानी वाले मधुमज़्खी के छज़ों की मौजूदगी को लेकर चिंता बढ़ गई है। गौरतलब है कि इससे पहले 14 अप्रैल को गजपति जिले के चंद्रगिरि गांव के शिव मंदिर में महा बिषुब संक्रांति उत्सव के दौरान जंगली भौंरों (स्थानीय नाम बाघुआ महु माछी) ने श्रद्धालुओं पर हमला कर दिया था। इस हमले में कई लोग घायल हो गए थे और माहौल अफरा-तफरी में बदल गया था।

सुंदरगढ़ जिले में डेंगू का प्रकोप

राउरकेला २८/१२ (संवाददाता): राउरकेला महानगर निगम एवं शहरांचल में डेंगू का प्रकोप तेजी से बढ़ा है। मंगलवार शाम तक जिले में कुल 604 डेंगू मरीजों की पहचान हुई है। इनमें राउरकेला में ही 571 मरीज मिले हैं जो प्रशासन के लिए चिंता का कारण बना है। सबसे अधिक मरीज इस्पातांचल में पाए गए हैं। क्षेत्र में 240 एवं शहरांचल में 148 डेंगू मरीज मिलने की जानकारी स्वास्थ्य विभाग की ओर से दी गई है पर वास्तव में मरीजों की संज़्या इससे काफी अधिक है. जो निजी अस्पतालों व घरों में इलाज करा चुके हैं।

मैंगनीज ले जा रहे तीन डंपर जज़्त

जोड़ा २८/१२ (संवाददाता): फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने शुक्रवार देर रात ज़्योंझर जिले के जोड़ा सेज़्शन के तहत बैतरणी रिज़र्व फॉरेस्ट के पास तिरिंग पहाड़ी इलाके के पास गैर-कानूनी तरीके से निकाले गए मैंगनीज से भरे तीन डंपर जज़्त किए।

ऑपरेशन के दौरान एक मोटरसाइकिल भी जज़्त की गई। फॉरेस्ट अधिकारियों ने बताया कि जज़्त किए गए मैंगनीज की अनुमानित कीमत 5 लाख रुपये से ज़्यादा है। एक टिप-ऑफ पर कार्रवाई करते हुए, फॉरेस्ट टीम ने छापा मारा, जब हाई-ग्रेड मैंगनीज ओर को गैर-कानूनी तरीके से स्मगलिंग के लिए डंपरों पर लोड किया जा रहा था। यह ऑपरेशन ज़्योंझर डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर के डायरेज़्शन में और चंपुआ रेंज ऑफिसर अक्षय छत्रिया के नेतृत्व में किया गया।

टीम में जोड़ा फॉरेस्टर त्रिनाथ जेना, जोड़ा फॉरेस्ट गार्ड देबाशीष महापात्रा, जुरुडी फॉरेस्ट गार्ड सूरज कुमार दास, दुबुना फॉरेस्ट गार्ड सुब्रत पात्रा, सरोज नाइक और बामेबारी और जोड़ा फॉरेस्ट टीम के सदस्य शामिल थे।

चंपुआ रेंज ऑफिस में केस दर्ज किया गया है और आगे की जांच चल रही है। याद दिला दें कि इस साल 1 जुलाई को डाला पहाड़ में गैर-कानूनी मैंगनीज माइनिंग के दौरान मिट्टी का एक टीला गिरने से तीन युवकों की मौत हो गई थी। घटना के बाद, भुवनेश्वर में डायरेज़्टरेट ऑफ़ माइंस के सीनियर अधिकारियों और डिस्ट्रिज़्ट लेवल के अधिकारियों ने इलाके का दौरा किया और गैर-कानूनी माइनिंग को रोकने के उपायों की घोषणा की। हालांकि, आरोप लगे हुए हैं कि माइंस डिपार्टमेंट मिनरल के गैर-कानूनी एज़्सट्रैज़्शन और ट्रांसपोर्टेशन को असरदार तरीके से रोकने में नाकाम रहा है। मिनरल चोरी रोकने के लिए भुवनेश्वर हेडक्वार्टर के तहत जोडा माइनिंग सब-डायरेज़्टरेट की एक स्पेशल टीम को तैनात किया गया था; लेकिन आलोचकों का कहना है कि यह कोशिश ज़्यादातर बेअसर रही है।

आरएसपी में सेवानिवृज़ि पूर्व कर्मचारी सशक्तिकरण कार्यशाला रोशनी आयोजित

राउरकेला २८/१२ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) के सीपीटीआई में हाल ही में सेवानिवृज़ि-पूर्व कर्मचारी सशक्तिकरण कार्यशाला %रोशनी% का आयोजन किया गया। मुज़्य महाप्रबंधक (परियोजनाएं - आधुनिकीकरण), श्री डी. के. साहू उद्घाटन सत्र के मुज़्य अतिथि थे। जबकि महाप्रबंधक प्रभारी (एसएस एम), श्री सी आर मिश्रा सज़्मानित अतिथि थे। एक कार्यपालक सहित संयंत्र के 24 कर्मचारी जो दिसंबर 2025 के महीने में सेवानिवृज़ होंगे, ने सत्र में भाग लिया। रोशनी के सत्रों में एक सहज सेवानिवृज़ि के बाद की ज़िंदगी को आसान बनाने के लिए ज़रूरी कई तरह के टॉपिक शामिल थे। अतिरिक्त मुज़्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा), डॉ. शिवलकर ने निज़्नलिखित सत्र में स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं और स्वस्थ सेवानिवृज़ि के बाद के जीवन के लिए रणनीतियों को संबोधित किया। साइबर सुरक्षा के मुद्दों से संबंधित मामलों पर उप महाप्रबंधक (सी एंड आईटी), श्री संजय गौतम द्वारा चर्चा की गई, जहां डिजिटल युग में इंटरनेट के फायदे बताए गए और प्रतिभागियों को उनकी डिजिटल उपस्थिति की रक्षा करने में मदद करने के लिए साइबर ख़तरों और सुरक्षा की दुनिया में अंतर्दृष्टि प्रदान की गई। विज़ पर सत्र में उप प्रबंधक (विज़ और लेखा), श्री डी के दाश ने बाद के चरण में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सुचारू अंतिम निपटान और प्रभावी विज़ प्रबंधन के लिए प्रक्रियाओं पर विचार किया। सहायक महाप्रबंधक (विज़ और लेखा), श्री पप्पू कुमार ने विज़ीय सुरक्षा योजना के बारे में बात की। बदलाव के इस अहम दौर से निपटने और मकसद भरी और एज़्टिव ज़िंदगी जीने के लिए सहायक महाप्रबंधक (सीपी-2), श्री बबुला नाहक ने पॉजिटिव माइंडसेट की तैयारी पर बात की। संगठन के अंदर क्वार्टर वेकेशन और प्रतिधारण नीतियों के विवरण उप प्रबंधक (टाउन सर्विसेज़), श्री भरत महंता द्वारा चर्चा की गई। सेल मेडिज़्लेम योजना को सहायक महाप्रबंधक (एचआर-टीए, जी, ईआर और सी), श्री अविनाश द्वारा संबोधित किया गया था. शुरुआत में सहायक प्रबंधक (एचआर-ईआर एंड सी), श्री एस पी माँझी ने सभा का स्वागत किया जबकि श्री अविनाश ने उप प्रबंधक (एचआर-ईआर एंड सी), श्री एस के नायक, श्रम निरीक्षक, श्री के के परिडा और एचआर-ईआर टीम के साथ कार्यक्रम का समन्वय किया। रोशनी कार्यशाला का उद्देश्य सेवानिवृज़ कर्मचारियों को सकारात्मकता, उत्साह और तैयारी के साथ सेवानिवृज़ि को गले लगाने के लिए व्यापक तरीक़े से तैयार करना है।